राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार,17अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -201 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस पर शहीद मेजर योगेश गुप्ता चौक पर फहराया गया तिरंगा

नई दिल्ली।

कश्मीर के सुरनकोट इलाके में 12 जुलाई 2002 को आंतकवादियों से मुठभेड़ के दौरान पहले मेजर योगेश गुप्ता ने दो आंतकवादियो को मार गिराया और फिर उनके पेट में गोली लग गई पर बहते हुए खून की परवाह ना करते हुए वो आगे बढ़ते रहे तथा दो और आंतकवादियो को मार गिराया। इस ऑपेरशन के दौरान उन्होंने चार आंतकवादियो को मौत के घाट उतार दिया पर बहुत ज्यादा खून बह जाने के कारण मेजर योगेश गुप्ता अपनी मात्रभूमि के लिए शहीद होकर वीरगति को प्राप्त हो गए। अम्बाला कैंट की डिफेंस कॉलोनी में रहने वाले शहीद मेजर योगेश के परिवार ने उनको स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनका शहीदी स्मारक जो सेक्रेड हार्ट स्कूल और राजीव अल्ट्रासाउंड के पास है उसको तिरंगे के रंगों तथा फूलो से सजाया गया। उनके छोटे भाई विकास गुप्ता, भाभी रंजू गुप्ता,भतीजे भव्य गुप्ता तथा भतीजी समायरा गुप्ता ने शहीदी स्थल पर तिरंगा झंडा फहराया। शहीद मेजर योगेश गुप्ता के पिता श्री वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही बहुत बहादुर था और उसके दिल में देश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना थी। योगेश ने अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल कपूरथला से पूरी की और भारतीय फौज में अफसर के तौर पर जाने का दृढ़ निश्चय किया। योगेश अपने सभी सगे सम्बन्धियो और दोस्तो का बहुत दुलारा था। आज आजादी का जश्न हम सिर्फ और सिर्फ इन वीरो की कुर्बानी के कारण ही मना पा रहे है और हर भारतवासी को इसका सम्मान करना चाइए। हम अपने घरों में चैन की नींद इस लिए सो पा रहे है क्योंकि यह वीर 24 घंटे अपनी जान पर खेलकर हमारी रक्षा कर रहे है। 18 साल बाद अम्बाला छावनी में गृहमंत्री अनिल विज के आदेशानुसार नगर निगम द्वारा इस चौक का निर्माण कार्य शुरू किया गया पर यहां पर अभी केवल प्लेटफार्म का निर्माण हुआ है तथा शहीद की प्रतिमा जो बनकर तैयार हो चुकी है ।

राहत भरी खबर- देश में 18 लाख से ज्यादा लोगों ने जीती कोरोना से जंग, ठीक होकर लौटे घर

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना संकट के बीच राहत की खबर है कि वायरस से निजात पाने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। भारत में 18 लाख लोगों ने वायरस को मात दी है। राहत की बात यह है कि एक दिन में 53,322 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 18,62,258 लाख पर पहुंच गई है। देश में कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति के बीच पिछले 24 घंटों में 944 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 50 हजार के करीब पहुंच गई वहीं संक्रमण के 63 हजार से अधिक मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 25.89 लाख के पार हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में संक्रमण के 63,489 मामले आने से संक्रमितों की संख्या 25,89,682 हो गई है, वहीं इस दौरान 944 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 49,980 पर पहुंच गई। राहत की बात यह है कि एक दिन में 53,322 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 18,62,258 लाख पर पहुंच गई है। इस दौरान देश में सक्रिय मामले 9224 बढ़े हैं जिससे इनकी संख्या 6,77,444 हो गयी है। देश में अब सक्रिय मामले 26.16 प्रतिशत, रोगमुक्त होने वालों की दर 71.91 प्रतिशत और मृतकों की दर 1.93 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 4,854 बढ़कर 1,56,719 हो गयी तथा 322 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 19,749 हो गया। इस दौरान 6,844 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,08,286 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं।

ऑफ द रिकॉर्ड: एक दिन में 1.20 लाख टेस्ट के साथ उत्तर प्रदेश ने बनाया रिकार्ड

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में 10 अगस्त (एक दिन में) को 1.20 लाख टैस्ट के साथ देश में पहले नंबर पर 33 लाख से अधिक टैस्ट करने का एक नया रिकार्ड बनाया है। इसके साथ ही इसने दूसरे नंबर पर तमिलनाडु और महाराष्ट्र को तीसरे नंबर पर छोड़ दिया। देश में सबसे अधिक आबादी वाला राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश कोविड-19 टैस्ट में बिहार की तरह पिछड़ा हुआ था, लेकिन एक जुलाई को योगी आदित्यनाथ ने राज्य में कोरोना टैस्ट बढ़ाने के लिए प्रशासन को अलर्ट किया और अगले 40 दिनों में राज्य कोविड टैस्ट में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। जिस समय मुख्यमंत्री ने टैस्ट बढ़ाने पर जोर दिया उस समय उत्तरप्रदेश में केवल 7.07 लाख टैस्ट हुए थे,महाराष्ट्र में 9.46 लाख और तमिलनाडु में 11.40 लाख टैस्ट हो चुके थे। वहीं 40 दिनों में उत्तरप्रदेश में कोरोना टैस्ट 400 प्रतिशत तक बढ़ाया तो हरियाणा में भी टैस्ट 300 प्रतिशत तक बढ़ा। हरियाणा में जहां एक जुलाई को 2.55 लाख से बढ़ाकर 7.44 लाख टैस्ट किए, वहीं पंजाब में भी 200 प्रतिशत टैस्ट बढ़े, जहां 1 जुलाई को 2.94 लाख की तुलना में 10 अगस्त तक 6.80 लाख टैस्ट किए। 1 जुलाई के डेटा के मुताबिक, ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में भी पिछले 40 दिनों के दौरान टैस्ट में तेजी आई और4.68 लाख से बढ़ाकर 11 लाख टैस्ट किए गए थे, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी की बात यह है कि इन राज्यों में पॉजिटिव मामलों में दर कम हो रही है। उत्तर प्रदेश में 10 अगस्त को जहां पॉजिटिव मामलों की दर 3.9 प्रतिशत है, तो पंजाब की 3.6 प्रतिशत और हरियाणा की 5.6 प्रतिशत है। पिछले कुछ दिनों के दौरान महाराष्ट्र में कोविड की सकारात्मकता दर 20.2 प्रतिशत से घटकर 19.3 प्रतिशत पर पहुंची है। वहीं यह एक चिंता का विषय है कि पंजाब में कोरोना मामलों के दोगुना होने की दर 16.4 दिन, पश्चिम बंगाल में 20.1 दिन और हरियाणा में कुछ कमी के साथ 36.5 दिन है। वहीं पंजाब में भी 200 प्रतिशत टैस्ट बढ़े, जहां 1 जुलाई को 2.94 लाख की तुलना में 10 अगस्त तक 6.80 लाख टैस्ट किए। 1 जुलाई के डेटा के मुताबिक, ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में भी पिछले 40 दिनों के दौरान टैस्ट में तेजी आई और4.68 लाख से बढ़ाकर 11 लाख टैस्ट किए गए थे, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी की बात यह है कि इन राज्यों में पॉजिटिव मामलों में दर कम हो रही है। उत्तर प्रदेश में 10 अगस्त को जहां पॉजिटिव मामलों की दर 3.9 प्रतिशत है, तो पंजाब की 3.6 प्रतिशत और हरियाणा की 5.6 प्रतिशत है। पिछले कुछ दिनों के दौरान महाराष्ट्र में कोविड की सकारात्मकता दर 20.2 प्रतिशत से घटकर 19.3 प्रतिशत पर पहुंची है। वहीं यह एक चिंता का विषय है कि पंजाब में कोरोना मामलों के दोगुना होने की दर 16.4 दिन, पश्चिम बंगाल में 20.1 दिन और हरियाणा में कुछ कमी के साथ 36.5 दिन है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल का बीजेपी-आरएसएस पर हमला, कहा- भारत में फेसबुक और व्हाट्सएप का नियंत्रण करती हैं

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने एक खबर पोस्ट कर कहा कि भाजपा-आरएसएस भारत में फेसबुक और व्हाट्सएप का नियंत्रण करती हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा-आरएसएस भारत में फेसबुक और व्हाट्सएप का नियंत्रण करती हैं। इस माध्यम से ये झूठी खबरें व नफ़रत फैलाकर वोटरों को फुसलाते हैं। आखिरकार, अमेरिकी मीडिया ने फेसबुक का सच सामने लाया है। इससे पहले कांग्रेस ने अमेरिका के प्रसिद्ध समाचार पत्र में छपे एक लेख का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि वह फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश में घृणा और नफरत फैलाकर अपने राजनीतिक एजेंडे पर काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता अजय माकन ने यहां विशेष संवाददाता सम्मेलन में इसे गंभीर स्थिति करार दिया और कहा कि मामले की जांच कर देश को तोड़ने की साजिश करने वाले फेसबुक के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि लेख के अनुसार इस अपराध में फेसबुक के भारतीय अधिकारी शामिल हैं और उनकी पहचान कर उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल ने अपने पहले पेज पर छपे इस लेख में कहा है कि भाजपा सोशल मीडिया का अपने हित में बखूबी इस्तेमाल कर देश में घृणा तथा नफरत का माहौल पैदा कर राजनीतिक लाभ अर्जित कर रही है। अखबार ने कहा कि चार अधिकारियों के इसमें शामिल होने की फेसबुक वाच टीम ने पहचान उनको हटाने की सिफारिश की तो फेसबुक के भारतीय शीर्ष अधिकारी ने यह कहते हुए उन्हें हटाने से इनकार कर दिया ।

अर्थी पर पिता का शव, अफसर बेटी ने स्वतंत्रता दिवस परेड का नेतृत्व कर निभाया फर्ज

नेशनल डेस्क। तमिलनाडु पुलिस की एक निरीक्षक ने अपने पिता की मृत्यु होने के बावजूद उनके अंतिम संस्कार को रोक कर स्वतंत्रता दिवस परेड का नेतृत्व करने की ड्यूटी निभाने को प्रमुखता दी। सशस्त्र रिजर्व पुलिस की निरीक्षक एन. माहेश्वरी ने अपने पिता की मौत का गम होने के बावजूद यहां स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित समारोह में जिलाधिकारी शिल्पा प्रभाकर सतीश और पुलिस अधीक्षक एन. मणिवन्नन को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि माहेश्वरी को 14 अगस्त की रात को उनके पिता के निधन का समाचार मिल चुका था, फिर भी उन्होंने शनिवार की सुबह परेड का नेतृत्व करने के बाद ही अंतिम संस्कार में भाग लिया। यह उनकी देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करता है। पुलिस विभाग ने कहा कि व्यक्तिगत संवेदना और दुख की भावना से ऊपर उठ कर निरीक्षक ने कर्तव्य निर्वहन को प्रमुखता दी जिसके लिए विभाग को उन पर गर्व है। परेड के दौरान युवा अधिकारी ने व्यक्तिगत क्षति की जरा सी भावना भी प्रदर्शित नहीं की और पुलिसकर्मियों के दस्ते का गंभीरता और गरिमापूर्ण तरीके से नेतृत्व किया।

74वें स्वतंत्रता

लाल किले में फिर नजर आया मोदी का अलग अंदाज, ड्रेस सेंस बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में हर साल चटकीले और रंग-बिरंगे साफे में नजर आने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार भी 74वें स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले में शनिवार को आयोजित समारोह में केसरिया और क्रीम रंग का साफा पहना। प्रधानमंत्री ने इसके साथ आधी बाजू का कुर्ता और चूड़ीदार पायजामा पहना था। उन्होंने इसके साथ ही केसरिया किनारी वाला सफेद गमछा भी डाल रखा था, जिसका वह कोविड-19 के मद्देनजर अपना मुंह और नाक ढकने के लिए इस्तेमाल करते हैं। शानदार बहुमत के साथ दूसरी बार सत्ता में आने के बाद मोदी ने पिछले साल लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर अपना छठा भाषण देते समय भी रंग-बिरंगा साफा पहना था। उन्होंने 2014 में स्वतंत्रता दिवस पर अपने पहले भाषण में गहरे लाल और हरे रंग का जोधपुरी बंधेज साफा पहना था। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में पीले रंग का साफा पहना था, जिस पर अलग-अलग रंगों की धारियां थीं, जबकि 2016 में उन्होंने गुलाबी और पीले रंग का लहरिया टाई एंड डाई साफा चुना था। इसके बाद, उन्होंने 2017 में गहरे लाल और पीले रंग का साफा पहना, जिसे पर सुनहरी धारियां थी। उन्होंने 2018 में केसरिया साफा पहना था। गणतंत्र दिवस समारोहों में भी कच्छ के लाल बंधनी साफे से लेकर पीले राजस्थानी साफे तक, मोदी के साफे लोगों का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं। देश के 74वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ऐतिहासिक लाल किले पर इस वर्ष कोविड-19 महामारी की छाया स्पष्ट रूप से दिखायी दी, जहां सभी कुर्सियों पर मास्क, सैनिटाइजर, एक जोड़ा दस्ताने युक्त किट रखी हुई थी तथा कुर्सियों को इस प्रकार से रखा गया था कि सामाजिक दूरी के मानकों का पालन हो सके। लाल किले पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में हर साल काफी भीड़ रहती थी और अलग-अलग आयु वर्ग के लोग काफी उत्साह से इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते थे, लेकिन इस वर्ष कोविड-19 महामारी के कारण निर्धारित सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए लोगों की संख्या कम रखी गई।

देश में कोरोना मरीजों की संख्या 25 लाख के पार, 24 घंटे में आए 65,002 नए केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच इससे निजात पाने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान सर्वाधिक 57 हजार से ज्यादा लोग स्वस्थ हुए हैं, वहीं इस दौरान 65 हजार से अधिक लोग संक्रमित भी हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 57,381 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 18,08,937 हो गयी है। इसी अवधि में 65,002 लोग संक्रमित हुए हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 25,26,193 हो गयी है। वहीं इस दौरान 996 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 49,036 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 6625 बढ़कर 6,68,220 हो गये हैं। देश में अब सक्रिय मामले 26.45 प्रतिशत, रोगमुक्त होने वालों की दर 71.61 प्रतिशत और मृतकों की दर 1.94 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 1760 बढ़कर 1,51,865 हो गये तथा 364 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 19,427 हो गया। इस दौरान 10484 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,01,442 हो गयी। देश में इस दौरान 10484 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,01,442 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 873 घटने से सक्रिय मामले 89,907 हो गये हैं। राज्य में अब तक 2475 लोगों की मौत हुई है, वहीं 9719 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 1,80,703 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

गहलोत का मोदी सरकार पर तंज, कहा- संकट में देश का लोकतंत्र

नेशनल डेस्क।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वर्तमान में समय में देश में लोकतंत्र बचाने की बड़ी चुनौती है और लोकतंत्र बचेगा तभी देश बचेगा। गहलोत ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में ध्वजारोहण के बाद सम्बोधित करते हुए कहा कि देश में विविध सम्प्रदाय और जातियों के लोग हैं। महात्मा गांधी के समय से ही कांग्रेस की नीतियां समरसता की थी। इसलिए हमारे देश में लोकतंत्र मजबूती से जड़ जमाये है, लेकिन अब लोकतंत्र के सामने संकट खड़ा हो गया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वजों ने शहादत देकर हमें स्वतंत्रता के साथ ही लोकतंत्र दिया है, उसे बचाने के लिए जो भी कीमत चुकानी पड़े, हम चुकाएंगे। तभी हम बच पाएंगे। उन्होंने कहा कि सेनानियों ने आजादी के लिए त्याग और बलिदान दिए। उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। लाठियां और गोलियां खाई और हम महात्मा गांधी के अहिंसा के रास्ते पर चलकर आजाद हुए है। जिससे दुनिया में एक संदेश गया और हमारा मान-सम्मान बढ़ा। इससे पहले झंडारोहन के बाद लोक कलाकारों में मनमोहन प्रस्तुती दी। गहलोत ने इसके बाद 74वें स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी चौपड़ में होने वाले सरकारी कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकारें तो आती-जाती रहती हैं, लेकिन सत्ता का घमंड नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार संवैधानिक तरीके से बनी सरकारों को हटाने का षड़यंत्र कर रही है, जिसे हमने राजस्थान में पूरा नहीं होने दिया। उन्होंने राजस्थान का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार गिराने की कोशिश की गई। गहलोत ने कहा कि जब कोरोना पूरे विश्व में फैल चुका है। देश में लॉकडाउन भी किया गया। राज्य में सभी ने सहयोग किया। अनलॉक के बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है। आने वाले समय में राज्य को पटरी पर लाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

राहुल गांधी का मोदी पर एक और आरोप, कहा- देश के प्रधानमंत्री को नहीं हमारी सेना पर भरोसा

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पिछले कुछ दिनों से कोरोना संकट के साथ साथ भारत चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद पर भी अपनी राय रख रहे हैं। वह इन मुद्दों के जरिए ही मोदी सरकार पर निशाना साधते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने चीन के मसले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी का कहना है कि देश के हर नागरिक को भारतीय सेना की क्षमता पर भरोसा है, केवल देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छोड़कर। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर लिखा कि हर कोई भारतीय सेना की क्षमता और वीरता में विश्वास करता है, पीएम को छोड़कर, जिनकी कायरता ने चीन को हमारी जमीन लेने की अनुमति दी। जिनके झूठ से यह सुनिश्चित होगा कि वे इसे बनाए रखेंगे। बता दें कि भारत चीन के बीच चल रहे विवाद के लिए राहुल गांधी मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसीका नतीजा है कि वह आए दिन सरकार पर हमलाबोल देते हैं। इससे पहले भी उन्होंने ट्वीट कर लिखा था कि भारत सरकार लद्दाख में चीनी इरादों का सामना करने से डर रही है। जमीनी हकीकत संकेत दे रही है कि चीन तैयारी कर रहा है और मोर्चा साधे है। प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत साहस की कमी और मीडिया की चुप्पी की भारत को बहुत भारी कीमत चुकानी होगी।

राजनीतिक दलों ने नौगाम आतंकी हमले की निंदा की

श्रीनगर । कश्मीर में विभिन्न राजनीतिक दलों ने स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शहर के नौगाम इलाके में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और इसे अस्वीकार्य तथा अमानवीय बतायाा। इस घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। जम्मू-कश्मीर भाजपा ने शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और सहानुभूति जताते हुए कहा कि पुलिस को अपराधियों का पता लगाना चाहिए और उन्हें सख्त सजा देनी चाहिए। पार्टी प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने यहां जारी एक बयान में कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला हताशा की कार्रवाई है। जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने श्रीनगर शहर के बाहरी इलाके नौगाम में शुक्रवार सुबह जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने पुलिसकर्मियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। पार्टी के एक प्रवक्ता ने कहा कि हिंसा किसी भी रूप में निंदनीय है और समकालीन दुनिया में इसकी कोई गुंजाइश नहीं है। इससे केवल अपरिहार्य नुकसान होगा और लंबे समय तक दुख देगा। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा कि पिछले तीन दशकों से अधिक की हिंसा से लोगों की मौतों के साथ ही भारी तबाही हुयी है तथा सामाजिक ताने बाने को भी नुकसान पहुंचा। पार्टी ने कहा कि ऐसे हमले कश्मीर के लोगों के लिए स्थिति को और खराब बनाते हैं। पार्टी ने एक ट्वीट भी किया और इस घटना की निंदा की। पार्टी ने कहा हमलों से कश्मीरी लोगों की स्थिति और खराब होगी जो पांच अगस्त के बाद पहले से ही दोहरी आपदा का सामना कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हमले को संवेदनहीन और शर्मनाक बताया और हत्यारों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। पार्टी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमलों के कारण कश्मीर का खून बह रहा है, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण औरगंभीर चिंता का विषय है। पूर्व मंत्री सज्जाद लोन गंभीर चिंता का विषय है। पूर्व मंत्री सज्जाद लोन गंभीर चिंता का विषय है। पूर्व मंत्री सज्जाद लोन नीत जम्मू कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेंस तथा जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी आदि ने भी इस घटना की निंदा की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जरूरी कर सुधार

कर सुधार की ओर भारत ने जो कदम उठाए हैं, वे जरूरी व स्वागतयोग्य हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में कराधान व्यवस्था को सुधारने के इरादे से जो घोषणाएं की हैं, उनसे टैक्स चुकाने वालों को निश्चित ही खुशी हो रही होगी। इन सुधारों का मुख्य लक्ष्य यदि ईमानदार करदाताओं को बढ़ावा देना है, तो इसकी जरूरत दशकों से महसूस की जा रही थी। अव्वल तो स्वयं प्रधानमंत्री ने बता दिया है कि 130 करोड़ लोगों के देश में केवल डेढ़ करोड़ कर चुकाते हैं। कर चुकाने की क्षमता इससे कहीं ज्यादा लोगों में होगी, लेकिन ज्यादातर लोग कमाई छिपाकर टैक्स चुकाने से बचते रहे हैं। कर वसूली की जो पुरानी या लगभग सामंती व्यवस्था रही है, उसमें कई बार कर चुकाने वाला भी कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है। शहर या इलाके के आयकर अधिकारियों में बहुत ताकत होती है और वे अपना 'टारगेट' चुनने के लिए लगभग स्वतंत्र होते हैं। आयकर अधिकारियों की मनमानी और कई बार सरकारों की स्थानीय राजनीति के तहत भी आयकर चुकाने वाले नागरिक निशाने पर आ जाते हैं। अब नए दौर के हिसाब से हो रहे सुधारों से हम बदलाव की उम्मीद कर सकते हैं।

सरकार करों के फेसलेस मूल्यांकन अर्थात सीधे संपर्क के बिना ही कर निर्धारण की ओर जो कदम उठा रही है, उसमें व्यावहारिक पहलुओं पर विशेष ध्यान देना होगा। ठीक इसी तरह से कर चुकाने में कोई शिकायत होने पर फेसलेस अपील की सुविधा दी जा रही है, तो जाहिर है, ऑनलाइन सिस्टम को बहुत आसान रखना होगा। इसके साथ ही टैक्स चार्टर का जमीनी लाभ दिखना जरूरी है, ताकि बाकी लोग भी कर देने के लिए प्रेरित हों। प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से आगे बढ़कर ईमानदारी के साथ कर देने का आह्वान किया है, तो इस जरूरत को भी समझा जा सकता है। कोरोना और आर्थिक सुस्ती की वजह से सरकार के राजस्व पर असर पड़ा है। सरकार को यह भी लग रहा है कि बुरे दौर में कर वसूली पिछले वर्षों के मुकाबले घटेगी, यह स्वाभाविक भी है, इसलिए सरकार यह सुधार लेकर आई है। राजस्व बढ़ाने का एक उपाय कर दायरा बढ़ाना होता है, पर आज देश जिस दौर में है, लोगों पर नए टैक्स नहीं लादे जा सकते। अतः वर्तमान करदाताओं को ईमानदारी से और पारदर्शी कर भुगतान की सुविधा देकर सरकार ठीक ही कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी इशारा किया है कि कर सुधार एक सतत प्रक्रिया है, समय-समय पर सुधार होते रहे हैं, इससे संकेत मिलता है कि अभी अन्य कर सुधार भी संभव हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि ईमानदार करदाता की राष्ट्र-निर्माण में बड़ी भूमिका होती है। ईमानदार करदाता के जीवन को आसान बनाने के लिए अमेरिका और कुछ अन्य देशों में बेहतर प्रावधान हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कर चुकाने वालों की वक्त आने पर मदद करने की परंपरा है, जिसके तहत कोरोना के समय भी कर चुकाने वालों के लिए विशेष राहत, रियायत के प्रबंध किए गए हैं। भारत में भी ऐसे करदाताओं के बारे में सोचना चाहिए, जो वर्षों से कर चुका रहे थे, लेकिन इस बार रोजगार-धंधे के प्रभावित होने से नहीं चुका पा रहे हैं। करदाताओं को कर चुकाने में सुविधा-सम्मान देने के साथ अन्य प्रकार से भी प्रोत्साहित करने पर विचार करना चाहिए। कर मानव सभ्यता की पुरानी परंपरा है, यह जितनी सहज और शालीन हो, उतना अच्छा है।

ट्रंप कार्ड कमला

विश्व भर में फैले तीन करोड़ दस लाख प्रवासी भारतीयों और भारतवंशियों का राजनीतिक प्रभाव और साख विभिन्न देशों में किस प्रकार बढ़ रहा है, इसका आभास इस बात से होता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में ड़ेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो. बिड़ेन ने भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना है। अमेरिका के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी अश्वेत महिला को देश के किसी राजनीतिक दल ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। कमला कैलिफोर्निया से ड़ेमोक्रेटिक पार्टी की सीनेटर हैं। वह वैचारिक स्तर पर वाममंथी रुझान की नेता मानी जाती हैं और आव्रजन, श्रमिक अधिकार, स्वास्थ्य सुविधा और युद्ध विरोधी नीतियों की पक्षधर हैं। कमला ने तो अपने चुनाव अभियान की शुरुळआत ही इस नारे से की थी 'कमला हैरिस फॉर द पीपुल'। अमेरिकी मतदाताओं से उनका कहना है कि आपका भविष्य आम आदमी पर निर्भर है। कमला अमेरिकी सीनेट के लिए निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला हैं। उनकी मां तमिलनाडु से हैं और पिता जमैका से। कमला के मिश्रित मूल के कारण उन्हें 'लेड़ी बराक ओबामा' बताया जाता है। जिस तरह बराम ओबामा के चुनाव के समय उनकी रेस को लेकर सवाल खड़ा किया गया थाग ठीक उसी तर्ज पर कमला के बारे में सवाल किए जा रहे हैं। महिला होने के नाते उन्हें दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। उनके लिए राहत की बात यह है कि पार्टी का एक बड़ा वर्ग उनके समर्थन में है। हालांकि यह सवाल लोगों को विस्मित करता है कि अमेरिका सहित अन्य देशों का समाज दूसरे देशों के प्रवासियों की तुलना में भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा सहजता के साथ अपने में समाहित क्यों कर लेता है? इसका बहुत सीधा और सरल जवाब यह हो सकता है कि भारतीयों को लोकतंत्र का लंबा अनुभव है और यही कारण है कि पहले से ही इनके रक्त में लोकतंत्र रचा-बसा है। अमेरिका में भारतवंशियों की संख्या केवल 1 फीसद है। लेकिन भारतवंशियों के लिए संतोष का विषय है कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने राजनीति समेत समाज के विभिन्न क्षेत्रों में असरदार काम किया है। अगर कमला हैरिस चुनाव जीत जाती हैंग तो उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने वाली वो पहली महिला होंगी।

परिधि / विशाल तिवारी

कानून चलेगा, भावनाएं नहीं

बेंगलुरु में हुई हिंसा और आगजनी ने एक बार फिर यह सवाल पूछने पर मजबूर कर दिया है कि बतौर समाज हम आगे जा रहे हैं या पीछे? क्या हमारी भावनाएं इतनी कमजोर हो गई हैं कि किसी के आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट पर उबाल-उफान मारने लगें? अगर किसी ने कुछ आपत्तिजनक लिख-बोल दिया तो उसके खिलाफ कानून-सम्मत कार्रवाई की जगह क्या भीड़ के रूप में व्यवस्था को तहस-नहस कर देंगे? इसका सीधा-सा मतलब तो यही निकलता है कि देश की संवैधानिक व्यवस्था में आपका यकीन नहीं या आप खुद को इसके ऊपर मानते हैं, जिसकी इजाजत तो पंथनिरपेक्ष संवैधानिक प्रक्रिया से संचालित एक लोकतांत्रिक देश में कतई नहीं दी जा सकती। चाहे कथित आहत भावनाएं कितनी भी गहरी हों।

ये कैसी आहत भावनाएं हैं, जो किसी के शब्दों से इतनी आहत होती हैं कि दूसरों के जान-माल को नुकसान पहुंचा कर ही संतुष्टि मिलती है। भारत की तकनीकी प्रगति के प्रतीक के रूप में विख्यात इलेक्ट्रॉनिक शहर में हजारों उपद्रवियों ने 300 से ज्यादा गाड़ियां फूंक दीं। इस दौरान तीन लोगों की जान चली गई। उपद्रवी कानून-व्यवस्था के मामले में कितने बेखौफ थे, इसका अंदाजा स्थानीय थाने पर हमले से लगाया जा सकता है। आपत्तिजनक पोस्ट के घंटे भर के भीतर जिस प्रकार संगठित रूप में उपद्रवी सड़कों पर निकल आएग उससे हिंसा में पीएफआई जैसे संगठनों का हाथ होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

मूल सवाल एक बार फिर व्यवस्था को लेकर है-आपत्तिजनक पोस्ट से लेकर हिंसा के बीच तक में कोई कदम नहीं उठाना। पुलिस कहां थी? हाल के समय में जब तमाम सोशल मीडिया नेटवर्क ने किसी भी प्रकार के वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री को लेकर कड़े मापदंड लागू किए हुए हैं, तो इस प्रकार की पोस्ट कैसे प्रसारित हो गई? ठीक है कि पुलिस ने उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हिंसा में शामिल लोगों से हर्जाने की बात की है, लेकिन बेहतर होगा कि पोस्ट करने वाले को भी इसमें शामिल किया जाए। हिंसा में 100 से ज्यादा मुस्लिम युवकों द्वारा एक मंदिर को घेर कर उसकी हिफाजत किए जाने की बात भी सामने आई है, सौहार्द की यह भावना व्यापक हो जाए तो फांस से लेकर लखनऊ तक किसी को भी अपनी जान से हाथ ना धोना पड़े।

कोरोना से जंग के लिए लैब निर्मित वायरस

मुकुल व्यास

कोरोना वायरस पर रिसर्च करना भी वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस अत्यंत खतरनाक वायरस के अध्ययन के लिए उच्चस्तरीय जैविक सुरक्षा बेहद जरूरी है। रिसर्चरों को हरदम प्रोटेक्टिव सूट पहनने पड़ते हैं। प्रयोगशालाओं में काम करने वालों के लिए इस तरह के सुरक्षा उपाय आवश्यक होते हैं लेकिन इनसे कोविड-19 के लिए वैक्सीन और दवाओं पर रिसर्च का काम धीमा पड़ रहा है क्योंकि उच्च जैविक सुरक्षा वाली प्रयोगशालाओं में बहुत से वैज्ञानिकों की पहुंच नहीं है।

इस समस्या को दूर करने के लिए वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के रिसर्चरों ने एक संकर (हाइब्रिड) वायरस तैयार किया है जो ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिकों को वायरस के खिलाफ जंग में शामिल होने का मौका देगा। रिसर्चरों ने एक हल्के किस्म के वायरस को आनुवंशिक रूप से संशोधित करने के बाद यह वायरस तैयार किया है। इसके लिए उन्होंने इस वायरस के एक जीन को हटाकर उसकी जगह कोरोना वायरस के एक जीन को रख दिया। इस तरह तैयार हाइब्रिड वायरस सार्स कोव-2 की तरह कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है और शरीर की एंटीबॉडीज उसे आसानी से पहचान सकती हैं। सामान्य सुरक्षा वाली प्रयोगशालाओं में इस वायरस का अध्ययन किया जा सकता है। सार्स-कोव-2 का सुरक्षित मॉडल तैयार करने के लिए रिसर्चरों ने 'वेसिकुलर स्टोमेटाइटिस वायरस' (वीएसवी) को चुना। यह वायरस मवेशियों, घोड़ों और सूअरों को प्रभावित करता है। वायरस वैज्ञानिक इसे रिसर्च के लिए सुरक्षित मानते हैं। दूसरी बात यह है कि इसमें आसानी से आनुवंशिक फेरबदल किया जा सकता है। यह वायरस कभी-कभार मनुष्यों को संक्रमित करके साधारण फ्लू जैसी बीमारी उत्पन्न करता है जो तीन से पांच दिन तक रहती है। वायरसों की सतह पर खास किस्म के प्रोटीन होते हैं, जिनकी मदद से वायरस कोशिकाओं को जकड़ कर उन्हें संक्रमित करता है। रिसर्चरों ने वीएसवी वायरस की सतह से प्रोटीन का जीन हटाकर उसकी जगह सार्स-कोव-2 की सतह के स्पाइक प्रोटीन का जीन लगा दिया। इस फेरबदल के बाद एक नया वायरस बना जो सार्स-कोव-2 की तरह कोशिकाओं को संक्रमित करता है। लेकिन उसके पास दूसरे जीन नहीं होते जो गंभीर बीमारी उत्पन्न करने के लिए जरूरी होते हैं। रिसर्चरों ने कोविड-19 से ठीक हो चुके मरीजों के सीरम और शुद्ध की गई एंटीबॉडीज के जरिए यह दर्शाया कि एंटीबॉडीज ने हाइब्रिड वायरस को ठीक उसी तरह पहचान लिया, जिस तरह वे कोविड-19 के मरीज के सार्स-कोव-2 वायरस को पहचान लेती हैं।

> “वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के रिसर्चरों ने एक संकर (हाइब्रिड) वायरस तैयार किया है जो वायरस के खिलाफ जंग को मजबूत करेगा। हाइब्रिड वायरस से वैज्ञानिकों को कोविड-19 के इलाज के लिए बन रही एंटीबॉडी आधारित दवाओं का आकलन करने में मदद मिल सकती है। इससे पता लगेगा कि प्रायोगिक वैक्सीन एंटीबॉडीज उत्पन्न करने में कितनी कारगर है।”

जिन एंटीबॉडीज ने हाइब्रिड वायरस को कोशिकाओं को संक्रमित करने से रोका, उन्होंने सार्स-कोव-2 वायरस को भी ऐसा करने से रोक दिया। जो एंटीबॉडीज हाइब्रिड वायरस को रोकने में नाकाम रहीं, वे असली वायरस को भी नहीं रोक सकीं। हाइब्रिड वायरस से वैज्ञानिकों को कोविड-19 के इलाज के लिए बन रही एंटीबॉडी आधारित दवाओं का आकलन करने में मदद मिल सकती है। हाइब्रिड वायरस के इस्तेमाल से यह पता लगाया जा सकता है कि प्रायोगिक वैक्सीन एंटीबॉडीज उत्पन्न करने में कितनी कारगर है। इससे यह भी पता लगाया जा सकता है कि कोविड से ठीक होने वाले मरीज द्वारा डोनेट किए गए प्लाज्मा में वायरस को निष्प्रभावी करने वाली एंटीबॉडीज समुचित मात्रा में है या नहीं। इस वायरस से उन एंटीबॉडीज की भी पहचान की जा सकती है, जिनका उपयोग एंटीवायरल दवाएं बनाने के लिए किया जा सके।

एक अन्य अध्ययन के जरिए वैज्ञानिकों ने बताया है कि कोरोना वायरस किस तरह हमारे शरीर में दाखिल होता है। जरा सोचिए कोई आपके घर में घुस आए और आपको पता भी न चले। कोरोना वायरस भी कुछ इसी अंदाज में हमारे शरीर में दाखिल होता है। वह कुछ ऐसी युक्ति लगाता है कि शरीर की कोशिकाएं उसे पहचान नहीं पातीं। अमेरिका में टेक्सास यूनिवर्सिटी के हैल्थ साइंस सेंटर के रिसर्चरों ने यह पता लगा लिया है कि वायरस किस तरह से शरीर की कोशिकाओं को चकमा देता है। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक योगेश गुप्ता ने बताया कि वायरस एनएसपी-16 नामक एंजाइम उत्पन्न करता है। इस एंजाइम की मदद से वह अपने मैसेंजर आरएनए में परिवर्तन कर देता है। इस परिवर्तन के बाद कोशिकाएं मैसेंजर आरएनए को अपने ही आनुवंशिक कोड का हिस्सा समझती हैं। यह एक तरह से वायरस का छद्म आवरण है।

उल्लेखनीय है कि मैसेंजर आरएनए का काम शरीर में उन स्थलों पर आनुवंशिक कोड पहुंचाना है जहां प्रोटीनों का उत्पादन होता है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि एनएसपी 16 एंजाइम की त्रिआयामी संरचना के विश्लेषण से सफलता मिलने के बाद कोविड 19 और अन्य वायरसजनित बीमारियों से बचाव के लिए ज्यादा कारगर दवाएं विकसित करने में मदद मिलेगी। ये दवाएं एनएसपी 16 एंजाइम को परिवर्तन करने से रोकेंगी। इससे शरीर की प्रतिरोधी प्रणाली के लिए आक्रामक वायरस को पहचानना आसान हो जाएगा।

इस बीच, वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने पता लगाया है कि मनुष्य की प्रतिरोधी प्रणाली द्वारा उत्पन्न एक खास प्रोटीन कोरोना वायरस सहित विभिन्न रोगाणुओं को रोक सकता है। जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने बताया कि एलवाई 6ई प्रोटीन सभी प्रकार के कोरोना वायरसों को संक्रमण उत्पन्न करने से रोकता है। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक, जर्मनी की स्टेफनी फांडर ने कहा कि इस खोज से कोरोना के खिलाफ नई थेरैपी विकसित करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी रिसर्चरों, प्रो. जॉन शोगिंस और प्रो. चार्ल्स राइस ने बताया कि विभिन्न रोगों में एलवाई 6ई प्रोटीन की भूमिका होती है। हैरानी की बात यह है कि यह प्रोटीन इंफ्लुएंजा के वायरसों की संक्रामकता को बढ़ाता है जबकि कोरोना वायरसों को संक्रमण नहीं फैलाने देता। स्टेफनी फांडर पिछले कुछ समय से उन जीनो का पता लगाने की कोशिश कर रही थीं जो कोरोना वायरसों के संक्रमण को रोकते हैं।

रिसर्च के दौरान यह भी पता चला कि एलवाई 6ई प्रोटीन कोरोना वायरसों और इंफ्लुएंजा के वायरसों के प्रति अलग-अलग ढंग से व्यवहार करता है। परीक्षणों के दौरान पता चला कि यह प्रोटीन मेजबान कोशिकाओं के साथ जुड़ने की वायरस की क्षमता को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ बर्न के प्रोफेसर फॉल्कर थिएल ने बताया कि यह वायरस यदि मेजबान कोशिकाओं के साथ जुड़ने में असमर्थ रहता है तो वह संक्रमण नहीं उत्पन्न कर सकता। इस अध्ययन से पता चलता है कि वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए एंटीवायरल जीन कितने महत्वपूर्ण हैं।

दखल

बाढ़, विनाश और सवाल

अतुल कनक

मानसून शुरू होने के कुछ दिन बाद से ही असम, उत्तर प्रदेश और बिहार के कई शहर बाढ़ में डूब से अस्त-व्यस्त हो गए। उधर, हर बार की तरह इस बार भी मुंबई और दिल्ली जैसे शहर सामान्य बरसात के बाद ही बार-बार जलमग्नता की स्थिति में फंसते दिखाई दिए। जिन शहरों में बाढ़ ने जीवन को अस्त-व्यस्त किया, उन शहरों के निवासी कहते दिखे कि नदी का पानी उनके घरों में घुस गया। लेकिन या यह सच है? विकास की दौड़ में शामिल आदमी के मन में जमीन की भूख इस तरह बढ़ी है कि उसे जहां मौका मिला, वहीं उसने जमीन पर कब्जा कर लिया। इस भूख से नदियों के किनारे भी अछूते नहीं रहे। बड़े हो चुके या बड़े हो रहे किसी भी शहर की बसावट यदि नदी के किनारे है, तो उस नदी का कोई भी तट शायद ही ऐसा बचा होगा, जिसके सहारे कच्चे-पके मकानों की बस्ती नहीं खड़ी हो गई हो। अब नदी के आंगन तक तो हमने अपने स्वार्थों के डेरे तान लिए हैं और शिकायत यह करते हैं कि पानी की आवक बढ़ने पर नदी हमारे घरों में घुस आती है। या किसी भी दृष्टि से इस शिकायत को तर्कसंगत कहा जा सकता है?

उधर, विकास के क्रम में नगर नियोजन के आवश्यक तत्वों तक को भुला दिया गया। पानी को अपने निकास के लिए समुचित मार्ग चाहिए, लेकिन अधिकांश शहरों में पानी के निकास के मार्ग में ही इमारतें खड़ी कर दी गईं। अब ऐसे में पानी बिफरे नहीं तो या करे? पुरानी कहावत है कि आग, पानी, राजा और सांप अपना स्वभाव कभी नहीं बदलते। जिन बड़े शहरों के आसपास छोटी-छोटी नदियां एक समय सैकड़ों लोगों की आवश्यकताओं को पूरा किया करती थीं, उन बड़े शहरों की जमीन की भूख ने उन छोटी नदियों को पहले नाले में तब्दील किया और फिर नदी के बचे-खुचे हिस्से को भी अतिक्रमण का शिकार बना दिया। मुंबई की मीठी नदी महत्वपूर्ण उदाहरण है। अब जब कभी नदी के अतिक्रमित हो चुके अपवाह क्षेत्र में पानी की आवक होगी, तो संचित पानी बस्तियों को घेरेगा ही। ऐसा सौतेला बर्ताव केवल नदियों के साथ ही हुआ हो, ऐसा नहीं है। विकास के नाम पर मची आपाधापी में मनुष्य ने पुराने तालाबों, झीलों, जोहड़ों, कुंडों और कुंओं तक को पाट कर उन पर कोई दुकान या रिहायशी ईमारत खड़ी कर दी। गोया, आने वाले समय में मनुष्य अपनी प्यास ईंट और सीमेंट की दीवारों के माध्यम से बुझा लेगा।

राजस्थान की मध्यप्रदेश की सीमा से लगने वाला एक कस्बा है- बकानी। बकानी कस्बे में प्रवेश करते ही मुख्य बाजार में एक बावड़ी कुछ दशक पहले तक सबका मन आकर्षित कर लेती थी। लेकिन अब इस बावड़ी के ऊपर कुछ दुकानें बना दी गई हैं। बावड़ी की सीढ़ियों पर एक छोटा-सा दरवाजा है, जिस पर हमेशा ताला लगा रहता है। बावड़ी में कस्बे की गंदगी डाली जाती है। इसलिए कि कोई सहज ही इस बावड़ी में प्रवेश न करे, यह अफवाह उड़ा दी गई है कि बावड़ी में जिन्न है। कुछ जासूसी उपन्यासों में ऐसा कथानक आता है कि कुछ असामाजिक तत्व किसी पुराने किले पर कब्जा करने के लिए उस किले के अस्तित्व को भूत-प्रेत या जिन्न की कल्पनाओं से जोड़ देते थे, जिससे आम आदमी भयवश उस ओर जाने की हिम्मत न करे और अफवाह फैलाने वालों को अपनी मनमर्जी करने का मौका मिल जाए। कोचिंग केंद्र के लिए देश भर में चर्चित कोटा शहर में एक प्राचीन बावड़ी को इसी तरह जिन्न की बावड़ी कह कर उस पर कुछ लोगों ने लगभग कब्जा कर लिया।

कोटा शहर ने तो प्राचीन जल स्रोतों के साथ खिलवाड़ का एक पूरा सिलसिला देखा है। यह शहर हाड़ौती के पठार के सबसे निचले हिस्से में बसा है। पठार के ऊपरी हिस्से में बरसने वाला पानी तेजी से नीचे की ओर आता था और बस्तियों को नुकसान पहुंचाता था। सन 1326 में बूंदी के राजकुमार धीरदेह ने इस पठार पर तेरह तालाब बनवाए। उन दिनों कोटा बूंदी रियासत के अधीन हुआ करता था। ये तालाब न केवल पठार पर तेजी से नीचे की ओर दौड़ते पानी का वेग थाम लिया करते थे, बल्कि वर्षा जल को संचित करके अपने आसपास की बस्तियों के निवासियों को साल भर तक जरूरत का जल भी उपलब्ध कराया करते थे। इतना ही नहीं, ये प्राचीन जलाशय भूगर्भीय जल का स्तर कायम रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते थे। लेकिन आजादी के बाद कोटा में विकास के नाम पर किसी तालाब को पाट कर रेलवे स्टेशन में बदल दिया गया, तो किसी तालाब पर बहुमंजिला बाजार खड़ा कर दिया गया, तो कहीं तालाब में बस्तियां बसा दी गईं।

इस अनियोजित नगर नियोजन का परिणाम यह हुआ कि बरसों तक मामूली बारिश के बाद ही कोटा में बाढ़ के हालात बनते रहे। बाद में प्रशासन ने शहर को बाढ़ से बचाने के लिए पानी की धारा मोड़ने का उपाय किया, जिसमें पठार के ऊपरी हिस्से में बरसने वाले पानी को शहर में घुसने के पहले ही चंबल नदी में प्रवाहित कर दिया जाता है। इससे शहर बार-बार आने वाली बाढ़ की मुसीबत से तो बच गया, लेकिन अब नया संकट पैदा हो गया। तालाब भूजल स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया करते थे, लेकिन जब ऊपर की ओर बरसने वाला पानी शहर में प्रविष्ट ही नहीं होता तो भूगर्भीय जल के स्तर को बचाए रखने की तो बात दूर, धरती की हश्वयास बुझाने का पर्याप्त इंतजाम कैसे हो? इसका परिणाम यह हुआ कि चंबल के किनारे बसे होने के बावजूद भूजल की दृष्टि से शहर की अधिकांश बस्तियां डार्क जोन में चली गईं। रही सही कसर 1970 के दशक में उन योजनाओं ने पूरी कर दी, जिनके तहत बड़ी संया में नलकूप खोदे गए। धरती की गोद से पानी उलीचने का इंतजाम तो हो गया, लेकिन उसके स्तर को बनाए रखने के इंतजामों का गला घोंट दिया गया। ऐसे में आने वाले दिन कितने संकट वाले हो सकते हैं, इसका अनुमान लगाना कठिन नहीं है। पानी जीवन की बुनियादी जरूरतों में एक है। रहीम ने इसीलिए कहा था-'रहीमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।' लेकिन हमने इस बात के मर्म को नहीं समझा।

मुद्दा

अनलॉक होते हादसे

अभिषेक कु सिंह

अगर समानताएं देखना चाहें तो चार अगस्त को लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए धमाके और सात अगस्त को केरल के कोझिकोड में हुई विमान दुर्घटना में कुछ बातें एक-सी नजर आएंगी। कोरोनाकाल में हुई इन दुर्घटनाओं में किसी ऐसी चूक या लापरवाही का संकेत मिलता है, जिसे नजरअंदाज करने से हादसा बड़ा हो गया। ये घटनाएं एकदम हाल की हैं, लेकिन मार्च में हुए लॉकडाउन और उसके बाद अनलॉक की प्रक्रिया में कई अन्य औद्योगिक दुर्घटनाएं अपने ही देश में हुई हैं। इनका सिलसिला कई और बातों के साथ यह भी साबित करता है कि चलती हुई मशीनरी को जब किसी वजह से अरसे तक रोक कर दोबारा चालू किया जाता है, तो जरूरी सावधानियों से हमारी नजर हट जाती है। यह असावधानी चूंकि घातक है, इसलिए विचारने की जरूरत है कि ठहराव बाद कोई सिस्टम दोबारा चालू हो तो कितनी ज्यादा सतर्कता बरती जाए। बेरूत में बंदरगाह पर बीते कई वर्षों से मौजूद अमोनियम नाइट्रेट के ढेर में कोई चिंगारी कोरोनाकाल में ही क्यों विनाशक ढंग से भड़की-शायद इसकी ठोस वजह कभी पता ना चले। कई किलोमीटर के दायरे में सब कुछ ध्वस्त और स्वाहा करने वाली घटना के कारणों से जुड़े सबूत भी पूरी तरह मिट चुके होंगे। लेकिन जिस बात पर जांचकर्ताओं की नजर जाने की उम्मीद हम कर सकते हैं, वह यह है कि कोविड-19 की महामारी के दौर में कर्मचारियों की कमी और सुस्ती ने हादसों की राह आसान कर दी है। हमारे ही देश में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने के बाद मई से अब तक 30 से ज्यादा औद्योगिक दुर्घटनाओं में 75 लोग जान गंवा चुके हैं। इन्हें देखकर लग रहा है कि कोरोना वायरस के संकटकाल में सारी मुसीबतें एक साथ आ गई हैं।

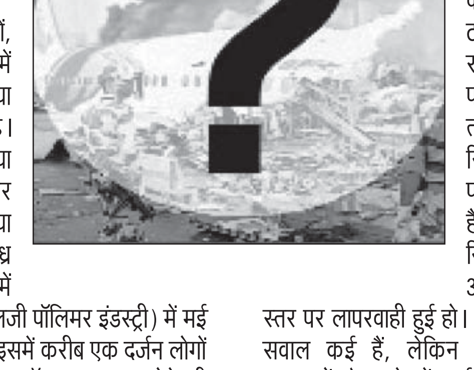

सवाल है कि बंदरगाहों, फैक्ट्रियों और प्लांटों में ऐसी दुर्घटनाओं की संख्या अचानक क्यों बढ़ गई है। क्या वजह लापरवाही है या सुरक्षा उपायों का कारगर ढंग से लागू नहीं किया जाना। एक उदाहरण आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक केमिकल इंडस्ट्री (एलजी पॉलिमर इंडस्ट्री) में मई में हुए गैस रिसाव का है। इसमें करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो गई थी। हादसा लॉकडाउन खत्म होने की घोषणा के फौरन बाद फैक्ट्री का कामकाज फिर से शुरू करने की तैयारी के दौरान हुआ था। दावा किया गया कि मौतों के अलावा इसके प्लांट से स्टाइरीन गैस के रिसाव के संपर्क में आने वाले आसपास के करीब पांच हजार लोगों के दिमाग और रीढ़ पर इसका असर हुआ था। ऐसा क्यों हुआ? ज्यादातर विशेषज्ञों का मत है कि संभवतद्ब लॉकडाउन की वजह से फैक्ट्री की टंकियों और मशीनों का सही रखरखाव नहीं हो पाया। केमिकल फैक्ट्री में तो कई चीजों के नियमित निरीक्षण की जरूरत पड़ती है। ऐसे में मुमकिन है कि लॉकडाउन के दौरान नियमित निरीक्षण में बाधा आई हो या किसी अन्य स्तर पर लापरवाही हुई हो।

सवाल कई हैं, लेकिन औद्योगिक दुर्घटनाओं-आपदाओं के बारे में सर्वमान्य तथ्य है कि यदि लापरवाही न बरती जाए तो उनके बारे में पहले से अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन हालिया औद्योगिक हादसों से स्पष्ट हुआ है कि लापरवाही बरते जाने और सावधानी के नियम-कायदों का उचित ढंग से पालन नहीं करने के कारण ही यह नौबत आई। बॉयलर का ढांचा पुराना पड़ जाना, पाइपों में लीकेज की कोई समस्या पैदा हो जाना, प्लांट के भीतर कहीं निकासी का कोई वॉल्व बंद होने से बेतहाशा दबाव बन जाना या ज्यादा मात्रा में ईंधन का प्रवाह हो जाने से विस्फोट हो जाना-ऐसी तमाम गड़बड़ियां हैं, जिनकी समय-समय पर जांच न हो तो दुर्घटना की आशंका रहती है। चूंकि इन गड़बड़ियों के काफी गंभीर नतीजे निकलते हैं, दर्जनों कर्मचारियों की जान जाने का खतरा बना रहता है, इसलिए प्रायः सभी सावधानियां बरती जाती हैं। यह भी हो सकता है कि महीनों बंद पड़े प्लांटों में क्षरण अथवा किसी अन्य कारण से मशीनरी में कोई दिक्कत पैदा हो गई हो या फिर कामकाज शुरू होने पर बीते दिनों के घाटे की भरपाई करने और मांग के मुताबिक सप्लाई सुनिश्चित करने की जल्दबाजी में फैक्ट्री संचालक हो सकता है कि मशीनरी में इस दौरान पैदा हुई समस्याओं की तरफ ध्यान न दे पा रहे हों। पूरे देश की फैक्ट्रियों को फौरन दुरुस्त करना होगा। घटनाओं की बारीकी से जांच किया जाना जरूरी है। दुर्घटनाओं के मद्देनजर देश के सभी कारखानों की सुरक्षा-व्यवस्था की समीक्षा हो।

बाइडेन का एच-1बी वीजा प्रणाली में सुधार, ग्रीन कार्ड में देशों का कोटा समाप्त करने का वादा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने वादा किया है कि यदि वह चुनाव जीतते हैं तो एच-1बी वीजा प्रणाली में सुधार करेंगे। उनके प्रचार अभियान में कहा गया है कि यदि नवंबर के आम चुनाव में उन्हें सफलता मिलती है तो वे ग्रीन कार्ड के लिए देशों के कोटा को भी समाप्त कर देंगे। माना जा रहा है कि बाइडेन ने प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी समुदाय को लुभाने के लिए ये वादे किए हैं। एच-1बी वीजा गैर-आव्रजक वीजा है। इसके जरिये अमेरिकी कंपनियां विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति कर सकती हैं। कंपनियां हर साल भारत और चीन के हजारों पेशवरों की नियुक्ति इस वीजा के जरिये करती हैं। भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस पर शनिवार को भारतीय-अमेरिकियों पर जारी एक नीति दस्तावेज में बाइडेन के प्रचार अभियान में परिवार आधारित आव्रजन प्रणाली को समर्थन देने और धार्मिक कार्य वीजा की प्रक्रिया को सुसंगत बनाने का भी वादा किया गया है। बाइडेन ने कहा है कि उनका प्रशासन नफरत को रोकने के लिए भी कदम उठाएगा। साथ धार्मिक स्थलों की सुरक्षा से जुड़ी चिंता को भी दूर करेगा। विविधता और भारतीय-अमेरिकियों के योगदान को सम्मान दिलाएगा। यह पहला मौका है कि डेमोक्रेट के किसी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने भारतीय-अमेरिकियों पर विशिष्ट रूप से कोई नीति दस्तावेज पेश किया है।

एमेजॉन की ऑनलाइन फॉर्मेसी के प्लान पर बवाल, दवा दुकानदारों ने किया विरोध

नई दिल्ली। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन ने कुछ दिन पहले ऑनलाइन फॉर्मेसी में उतरने की घोषणा की, जिसके बाद से ही दवा दुकानदारों में खलबली मची हुई है। एमेजॉन बेंगुलुरू से ऑनलाइन फॉर्मेसी शुरू करने वाली है परन्तु दवा दुकानदारों ने इसका पूरजोर विरोध किया है। उन्होंने वाकयदा एमेजॉन कंपनी के मालिक जेफ बेजोस को चिट्ठी लिखी है। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगस्टिस के प्रेसिडेंट जेएस शिंदे ने इसे गैरकानूनी करार दिया है। दूसरी ओर एमेजॉन का कहना है कि वह बेंगलुरू में ऑनलाइन फार्मेसी में कदम रखने जा रही है। इसके जरिए ओवर द काउंटर मेडिसिन, बेसिक हेल्थ डिवाइस और सर्टिफाइड आयुर्वेद दवा कंपनियों की दवा बिक्री की जाएगी। दवा दुकानदारों ने एमेजॉन के इस कदम का विरोध किया और कहा कि भारत में दवा बेचने के लिए रिटेलरों को लाइसेंस की जरूरत होती है। जिस भी राज्य में दवा बेचनी है वहां के राज्य से लाइसेंसे की जरूरत होती है। ऐसे में एमेजॉन के मार्केट प्लेस में जो भी दवा बेचेगा उसे लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी । एमेजॉन का कहना है कि सरकार ने हमें कोविड-19 महामारी के दौरान दवाइयों की होम डिलीवरी करने की इजाजत दी है। हमने भी ऑनलाइन दवा बिक्री के पूरी तैयारी कर ली है। अब इस स्पेस में प्रवेश के लिए कानूनी तौर पर तैयार हैं। लेकिन अभी यह साफ नही है कि यह अमेजन का पायलट प्रोजेक्ट है या इसका विस्तार होगा। यह अमेजन का पायलट प्रोजेक्ट है या इसका विस्तार होगा। बता दें कि देश में इस वक्त वन एमजी, नेटमेड्स, मेडलाइफ और फार्मईजी जैसी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं, जो ऑनलाइन बता दें कि देश में इस वक्त वन एमजी, नेटमेड्स, मेडलाइफ और फार्मईजी जैसी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं, जो ऑनलाइन खरीददारी कने वाले ग्राहकों को उनके घरों तक दवाइयां पहुंचा रही है। देश में फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों से लगातार मिल रही टक्कर के चलते एमेजॉन ने भी इस क्षेत्र में उतरने का फैसला किया है। इसके तहत कंपनी अपने बडे कस्टमर बेस का फायदा उठाना चाहती है। कंपनी ने बीते महीने भारत में 10 नए वेयरहाउस भी खोले हैं।

सोभा मौजूदा जारी परियोजनाओं में 11 हजार करोड़ रुपए की आवासीय इकाइयों की बिक्री पर देगी ध्यान

नई दिल्ली।

रियल्टी कंपनी सोभा लिमिटेड की उसकी मौजूदा समय में जारी परियोजनाओं में 11 हजार करोड़ रुपए की आवासीय इकाइयों को अगले कुछ वर्षों में बेचने पर ही ध्यान केंद्रित करने की योजना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सोभा लिमिटेड के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक जेसी शर्मा ने कहा कि कंपनी कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर नई परियोजनाएं शुरू करने में सतर्कता बरतेगी। उन्होंने कहा कि महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन से अप्रैत-जून तिमाही के दो महीने लॉकडाउन से प्रभावित होने के बाद भी कंपनी को उक्त तिमाही में 488 करोड़ रुपये की बुकिंग प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की शेष तीन तिमाहियों में इसमें सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, उन्होंने कोरोना वायरस महामारी से जुड़ी अनिश्चितताओं को लेकर पूरे साल के बिक्री के अनुमान के बारे में जानकारी नहीं दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 2,880 करोड़ रुपए की बिक्री की बुकिंग हासिल की थी। शर्मा ने कहा, ''हम मध्यम से लंबी अवधि के लिए आवास क्षेत्र को लेकर बहुत आशावान हैं। आईटी और फार्मा क्षेत्र अच्छा कर रहे हैं। भारत के विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। इससे आवास की मांग तैयार करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि आवास ऋण के लिए कम ब्याज दर (लगभग 7 प्रतिशत) और आवासीय इकाइयों की कीमतों के निचले स्तर पर आ जाने से संभावित ग्राहकों के लिए किफायत में सुधार हुआ है। शर्मा ने कहा कि कंपनी की सभी परियोजनाओं के लिए निर्माण गतिविधियां शुरू हो गई हैं और प्रवासी मजदूर धीरे-धीरे अपने मूल स्थानों से लौट रहे हैं। उन्होंने नई परियोजना के बारे में कहा कि कंपनी ने इस वित्त वर्ष में अब तक कोई नई परियोजना शुरू नहीं की है। शर्मा ने कहा, ÷हम नई परियोजनाओं की शुरुआत की तैयारी कर रहे हैं लेकिन यह बाहरी माहौल की स्थिति पर निर्भर करेगा। हमने अभी मौजूदा परियोजनाओं में बिक्री के लिए उपलब्ध आवास इकाइयों को बेचने पर ध्यान केंद्रित किया है।

अडानी ने धोनी को बताया लाखों लोगों के लिये प्रेरणा स्रोत

नयी दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अडानी ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के प्रति सम्मान प्रकट करने में भारतीय उद्योग जगत की अगुवाई की। उन्होंने कहा कि धोनी ने छोटे शहरों व आम परिवारों के लाखों लोगों को प्रेरित किया है। धोनी, भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल कप्तान रहे हैं। उन्होंने भारत को 2007 में टी-20 विश्व कप और 2011 में एकदिवसीय विश्व कप में जीत दिलायी है। धोनी ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर डाले गये एक वीडियो संदेश के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। अडानी ने ट्वीट किया, ''एमएस धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया, लेकिन पिछले डेढ़ दशक में उन्होंने जो कुछ हासिल किया, वह कभी भी स्कोरबोर्ड पर नहीं दिख सकता। उन्होंने छोटे शहरों और आम परिवारों के लाखों लोगों को सपना पूरा करने के लिये प्रेरित किया।' वेदांता लिमिटेड के वाइस चेयरमैन नवीन अग्रवाल ने क्रिकेट दिग्गज के साथ अपनी मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा, ''विकेट की ओर आपकी दौड़ बेहद पसंदीदा रहेगी, खासकर बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 में किया गया एक रन आउट।

एक दशक के निचले स्तर पर पहुंच सकते हैं गैस के दाम, ओएनजीसी को लगेगा झटका

नई दिल्ली। देश में प्राकृतिक गैस के दाम अक्टूबर से घटकर 1.9 से 1.94 डॉलर प्रति इकाई पर आ सकते हैं। यह देश में पिछले एक दशक से अधिक में प्राकृतिक गैस कीमतों का सबसे निचला स्तर होगा। इससे ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) जैसी गैस उत्पादक कंपनियों का राजस्व बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इन कंपनियों को पहले से ही गैस उत्पादन पर भारी नुकसान हो रहा है। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि एक अक्टूबर से गैस कीमतों में संशोधन होना है। गैस निर्यातक देशों की बेंचमार्क दरों में बदलाव के हिसाब से गैस का दाम घटकर 1.90 से 1.94 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) रह जाएगा। एक साल में यह गैस कीमतों में लगातार तीसरी कटौती होगी। इससे पहले अप्रैल में गैस कीमतों में 26 प्रतिशत की बड़ी कटौती हुई थी, जिससे इसके दाम घटकर 2.39 डॉलर प्रति इकाई रह गए थे। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल उर्वरक और बिजली उत्पादन में होता है। इसके अलावा इसे सीएनजी में बदला जाता है, जिसका इस्तेमाल वाहनों में होता है। साथ ही रसोई गैस के रूप में भी इसे इस्तेमाल में लाया जाता है। गैस के दाम प्रत्येक छह माह में, सूत्रों का कहना है कि गैस कीमतों में कटौती का मतलब है कि देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक ओएनजीसी का घाटा और बढ़ जाएगा।

कोरोना असर! 159 कंपनियों की कर पूर्व आय मार्च तिमाही में 22,500 करोड़ रुपये घटी: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

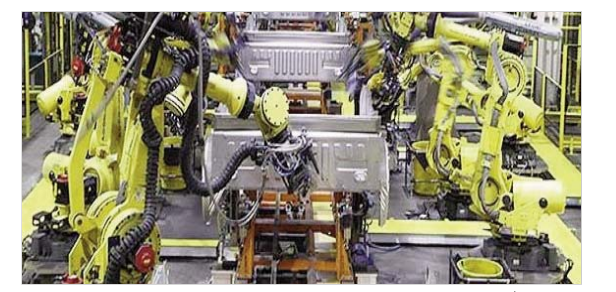

बीएसई में सूचीबद्ध 159 कंपनियों की सम्मिलित कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में इससे पिछली तिमाही के मुकाबले 22,538 करोड़ रुपये कम हो गयी। इससे कोरोना वायरस महामारी का शुरुआती प्रभाव दिखता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। शोध व परामर्श कंपनी ईवाय इंडिया ने इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिये 12 क्षेत्रों की 300 बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों औार 115 वैश्विक कंपनियों के मार्च तिमाही के परिणामों का विश्लेषण किया। ईवाय इंडिया ने कहा विश्लेषण से महामारी के उन प्रभाव के विवरणों का पता चलता है, जो कंपनियों द्वारा उनके परिणामों में या तिमाही की जानकारियां देने वाले किसी अन्य आधिकारिक दस्तावेज में प्रस्तुत किया गया है। यह पांच जून तक घोषित बीएसई की 300 शीर्ष कंपनियों के मार्च तिमाही के परिणामों के आधार पर किया गया है। उसने कहा कि अधिकांश कंपनियों की कर पूर्व कमाई, राजस्व, ऋण व ब्याज सेवा कवरेज, प्रावधानों, लाभ व प्रति शेयर आय (ईपीएस) जैसे वित्तीय प्रदर्शन के संकेतकों पर कोरोना वायरस का ठीक-ठाक असर हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, बीएसई की 300 कंपनियों में से 159 कंपनियों की कर पूर्व आय मार्च तिमाही में एक तिमाही पहले की तुलना में 22,538 करोड़ रुपये कम हो गयी। यह कोरोना वायरस महामारी के शुरुआती प्रभाव के कारण हुआ है। जिन क्षेत्रों पर अधिक असर हुआ है, उनमें बैंकिंग, वित्तीय सेवा व बीमा, विमानन, वाहन, बिजली, तेल एवं गैस और यात्रा शामिल हैं। ईवाय इंडिया ने यह भी कहा कि दवा, स्वास्थ्य और दूरसंचार क्षेत्र ने इस मुश्किल समय में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि देश में जनवरी के अंत में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर 25 मार्च को देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया था और मई के अंत से पाबंदियों को कम कर दिया गया। लॉकडाउन ने आर्थिक गतिविधियों को काफी प्रभावित किया।

मध्य प्रदेश में नए कारखाने के लिए पर्यावरण मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में है इप्का लैब्स

नयी दिल्ली। दवा कंपनी इप्का लैबोरेट्रीज मध्य प्रदेश के देवास में नए विनिर्माण संयंत्र के लिए पर्यावरण मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया में है। कंपनी की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इप्का लैब्स ने अपने शेयरधारकों से सूचना साझा करते हुए कहा कि कंपनी ने इस परियोजना के लिए भूमि का अधिग्रहण पहले ही कर लिया है। मुंबई की दवा कंपनी ने कहा, ''कंपनी शुरुआती 250 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मध्य प्रदेश के देवास में नई एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रिडिएंट (एपीआई) विनिर्माण इकाई लगाने की प्रक्रिया में है।'' फिलहाल इप्का लैब्स अपनी 12 उत्पादन इकाइयों में 80 से अधिक एपीआई सामग्री का उत्पादन करती है। इसका उसके कारोबार में हिस्सा करीब 25 प्रतिशत है। कंपनी 70 से अधिक देशों को एपीआई का निर्यात भी करती है। बीते वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एपीआई और इंटरमीडिएट कारोबार की बिक्री 1,173.13 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 884.56 करोड़ रही थी। कंपनी के कुल एपीआई/इंटरमीडिएट कारोबार में निर्यात का हिस्सा 79 प्रतिशत है। कंपनी की भारत में ब्रांडेड फार्म्यूलेशंस में भी अच्छी मौजूदगी है जिसमें वह 350 के करीब उत्पाद तैयार करती है।

बिजली की मांग 5.65 प्रतिशत घटकर 167.49 गीगावॉट पर

नई दिल्ली।

अगस्त के पहले पखवाड़े में बिजली की मांग 5.65 प्रतिशत घटकर 167.49 गीगावॉट रही है। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। पिछले साल समान अवधि में व्यस्त समय में बिजली की अधिकतम मांग और आपूर्ति 177.52 गीगावॉट रही थी। व्यस्त समय में अधिकतम मांग की आपूर्ति से आशय दिन में देशभर में सबसे अधिक आपूर्ति की गई बिजली से होता है। खास बात यह है कि अगस्त के पहले 15 दिन में बिजली की मांग में गिरावट जुलाई की तुलना में अधिक रही है। जुलाई में बिजली की मांग 2.61 प्रतिशत घटी थी। जुलाई में व्यस्त समय में बिजली की मांग 170.54 गीगावॉट रही, जो जुलाई, 2019 में 175.12 गीगावॉट रही थी। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि मई से बिजली की मांग स्थिर हो रही है। उस समय कोविड-19 की वजह से लागू लॉकडाउन में ढील दी गई थी, जिससे वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों में सुधार हुआ था। सरकार ने 25 मार्च, 2020 को कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी बंद की घोषणा की थी। इससे वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों के लिए बिजली की मांग में गिरावट आई थी। बिजली की वाणिज्यिक और औद्योगिक खपत घटने की वजह से अप्रैल में मांग में 25 प्रतिशत की गिरावट आई थी। मई में बिजली की मांग सुधरी थी जिससे यह उम्मीद जताई जा रही थी कि अगस्त से देश में बिजली की मांग सामान्य स्तर पर पहुंच जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस महीने से बिजली की मांग और खपत सामान्य स्तर पर पहुंच जाएगी। हालांकि, इसकी सही स्थिति का अंदाजा अगस्त के अंत तक ही लग सकेगा, जबकि पूर्ण मासिक आंकड़ा उपलब्ध होगा। इस साल जून में व्यस्त समय की बिजली मांग 9.6 प्रतिशत घटकर 164.98 गीगावॉट रह गई, जो जून, 2019 में 182.45 गीगावॉट थी। इसी तरह मई में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग 8.9 प्रतिशत घटकर 166.22 गीगावॉट रही, जो पिछले साल समान महीने में 182.53 गीगावॉट थी। अप्रैल में व्यस्तसमय की बिजली की मांग करीब समय की बिजली की मांग करीब 25 प्रतिशत घटकर 132.73 गीगावॉट रही, जो अप्रैल, 2019 में 176.81 गीगावॉट थी। आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई में बिजली की खपत में गिरावट कम होकर 3.6 प्रतिशत या 112.24 अरब यूनिट (बीयू) रही, जो पिछले साल के समान महीने में 116.48 अरब यूनिट थी। जून में बिजली की खपत 10.93 प्रतिशत घटकर 105.08 अरब यूनिट रही थी, जो जून, 2019 में 117.98 अरब यूनिट थी। इसी तरह मई में बिजली की खपत 14.86 प्रतिशत घटी।

फ्लिपकार्ट, बंगाल-ओड़ीशा में अल्कोहल की डिलीवरी करेगा, हिपबार से साझेदारी की: सूत्र

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कामर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में शराब पहुंचाने के लिए डियाजियो-समर्थित हिपबार के साथ साझेदारी की है। यह करार फ्लिपकार्ट के प्रतिद्वंद्वी अमेज़न को पश्चिम बंगाल में घर पर शराब पहुंचाने के लिए जून में मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। इससे दोनों कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा और बढ़ने की उम्मीद है जो भारत में ई-कॉमर्स बाजार में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करना चाहते है। इस नए करार की जानकारी रखने वाले दो लोगों के अनुसार फ्लिपकार्ट, हिपबार का एक भागीदार होगा जो ग्राहकों को हिपबार के मोबाइल एप पर अल्कोहल के लिए ग्राहकों को आर्डर करने की सुविधा देगा। अल्कोहल के लिए ग्राहकों को आर्डर करने की सुविधा देगा। अल्कोहल के लिए ग्राहकों को आर्डर करने की सुविधा देगा। फ्लिपकार्ट ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। हिपबार को तत्काल टिप्पणियों के लिए संपर्क नहीं किया जा सका। झारखंड देश का पहला राज्य था जिसने ऑनलाइन प्लेटफार्मों द्वारा शराब की होम डिलीवरी की अनुमति दी। तब से, कई अन्य राज्यों ने इस सेवा के लिए अनुमति प्रदान की है।

जुलाई में गोल्ड ईटीएफ में निवेश 86प्रतिशत बढ़कर 921 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली।

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश जुलाई महीने में इससे पिछले माह की तुलना में 86 प्रतिशत बढ़कर 921 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सोने की कीमतें उच्चस्तर पर होने के बीच निवेशकों द्वारा अपने पोर्टफोलियो में बहुमूल्य धातुओं को जोड़ने को लेकर काफी उत्साह है, जिससे वे गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार इस तरह चालू साल के पहले सात माह में गोल्ड ईटीएफ में निवेश का शुद्ध प्रवाह बढ़कर 4,452 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। आंकड़ों के अनुसार, निवेशकों ने जुलाई में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध रूप से 921 करोड़ रुपए का निवेश किया।

इससे पिछले महीने यानी जून में उन्होंने गोल्ड ईटीएफ में 494 करोड़ रुपए डाले थे। इस निवेश के बाद गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) जुलाई के अंत तक 19 प्रतिशत बढ़कर 12,941 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं, जो जून के अंत तक 10,857 करोड़ रुपए थीं। मासिक आधार पर देखा जाए, तो निवेशकों ने जनवरी में गोल्ड ईटीएफ में 202 करोड़ रुपए डाले। फरवरी में उन्होंने इसमें 1,483 करोड़ रुपए का निवेश किया, लेकिन मार्च में उन्होंने मुनाफा काटा और 195 करोड़ रुपए की निकासी की। अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश 731 करोड़ रुपए और मई में 815 करोड़ रुपए रहा। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी, अमेरिका-चीन तनाव तथा कोविड-19 के मामलों में लगातार बढ़ोतरी से निवेश के सुरक्षित विकल्प के रूप में सोने की मांग बढ़ी है। इस वजह से सोना लगातार ऊंचाई पर जा रहा है। ग्रो के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा कि गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ने की प्रमुख वजह यह है कि निवेशक हेजिंग के लिए सोने में पैसा लगा रहे हैं।

दूरसंचार नेटवर्क में चीनी उपकरणों का इस्तेमाल, ट्राई ने कहा- घरेलु उत्पादन करना होगा तेज

नई दिल्ली।

दूरसंचार नेटवर्क में बड़े पैमाने पर चीन के उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर चिंता के बीच भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा है कि भारत को 'रणनीतिक' कारणों से संचार उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को तेज करना चाहिए। ट्राई के चेयरमैन आर एस शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा भारत मोबाइल हैंडसेट के विनिर्माण का बड़ा केंद्र बन गया है, लेकिन दूरसंचार उपकरणों के मामले में भी ऐसा किए जाने की जरूरत है। यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण दूरसंचार नेटवर्क का संवेदनशील और 'मुख्य स्नायु तंत्र' है। शर्मा ने बताया कि नियामक पहले ही स्थानीय स्तर पर दूरसंचार उपकरणों के विनिर्माण पर विस्तृत सिफारिशें दे चुका है। दुनिया और भारत में सुरक्षा कारणों से नेटवर्क में चीनी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करने को लेकर आवाज उठ रही है। इस दृष्टि से ट्राई के प्रमुख का यह बयान महत्वपूर्ण है। भारत अभी यह आकलन कर रहा है कि क्या हुवावेई और जेडटीई को आगामी 5जी परीक्षण से बाहर रखा जा सकता है। प्रमुख का यह बयान महत्वपूर्ण है। भारत अभी यह आकलन कर रहा है कि क्या हुवावेई और जेडटीई को आगामी 5जी परीक्षण से बाहर रखा जा सकता है। हालांकि, अभी इसपर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। शर्मा ने कहा यह देश के रणनीतिक हित में होगा कि हम घरेलू स्तर पर दूरसंचार उपकरणों का विनिर्माण तेज करें। ट्राई कुछ समय पहले इसपर अपनी सिफारिशें दे चुका है। यह पूछे जाने पर कि क्या चीन में बने उपकरणों को लेकर चिंता की वजह से दूरसंचार क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है, शर्मा ने कहा, ''निश्चित रूप से। यह रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''हम अपनी सिफारिशें दे चुके हैं। हमने कहा है कि दूरसंचार उपकरणों का घरेलू विनिर्माण देश के रणनीतिक हित में है। ट्राई प्रमुख ने कहा कि हम हैंडसेट का विनिर्माण कर रहे हैं, ऐसे में 'केंद्रीय स्नायु तंत्र' भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है। इन उपकरणों का विनिर्माण देश में ही होना चाहिए। उन्होंने देश में हैंडसेट उत्पादन के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि अब इनका विनिर्माण व्यापक पैमाने पर हो रहा है। हमें इस सफलता का इस्तेमाल घरेलू स्तर पर दूरसंचार उपकरणों के विनिर्माण में भी करना चाहिए।

देश के प्रमुख बंदरगाहों पर अप्रैल-जुलाई में कोयले का आयात 31प्रतिशत घटकर 3.7 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली।

कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अड़चनों के चलते चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जुलाई अवधि में देश के 12 प्रमुख बंदरगाहों पर कोयले का आयात 31 प्रतिशत घटकर 3.67 करोड़ टन रह गया। इसमें तापीय और कोकिंग कोयला दोनों शामिल है। भारतीय बंदरगाह संघ (आईपीए) ने यह जानकारी दी है। इस अवधि में तापीय कोयले का आयात 30 प्रतिशत घटकर 2.31 करोड़ टन रह गया। वहीं कोकिंग कोयले का आयात 32.26 प्रतिशत घटकर 1.35 करोड़ टन पर आ गया। केंद्र के नियंत्रण वाले इन 12 प्रमुख बंदरगाहों पर जुलाई में लगातार चौथे महीने कोयले का आयात घटा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जुलाई अवधि में इन बंदरगाहों पर तापीय कोयले का आयात 3.31 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 1.35 करोड़ टन रहा था। आईपीए इन बंदरगाहों पर ढुलाई के आंकड़े रखता है। आईपीए की ताजा रिपोर्ट 'पिछले साल की तुलना में प्रतिशत में अंतर में कहा गया है कि इस अवधि में तापीय और कोकिंग कोयले की ढुलाई क्रमशः 30 प्रतिशत और 32.26 प्रतिशत घट गई। कुल मिलाकर अप्रैल-जुलाई की अवधि में तापीय और कोकिंग कोयले की ढुलाई में 30.83 प्रतिशत की गिरावट आई। तापीय कोयला देश के ऊर्जा कार्यक्रम का अभिन्न अंग है। देश का 70 प्रतिशत बिजली उत्पादन तापीय कोयले पर निर्भर है। वहीं कोकिंग कोयले का इस्तेमाल मुख्य रूप से इस्पात विनिर्माण में होता है। चीन और अमेरिका के बाद

भारत तीसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक है। देश में 299 अरब टन का कोयला भंडार है। इसमें से 123 अरब टन भंडार पहचाना गया आरक्षित भंडार है, जो 100 साल से अधिक समय तक कायम रह सकता है।

इन 12 प्रमुख बंदरगाहों ने पिछले वित्त वर्ष में कुल 70.5 करोड़ टन की ढुलाई की थी। वहीं अप्रैल-जुलाई, 2018-19 में इन बंदरगाहों के जरिए 23.60 करोड़ टन की ढुलाई की थी। केंद्र के नियंत्रण वाले देश के 12 प्रमुख बंदगाहों में दीनदयाल (पूर्व में कांडला), मुंबई, जेएनपीटी, मोरमुगाव, न्यू मेंगलूर, कोच्चि, चेन्नई, कामरजार (पूर्व में एन्नोर), वी ओ चिदंबरनार, विशाखापत्तनम, पारादीप और कोलकाता (हल्दिया सहित) शामिल हैं। देश की कुल माल ढुलाई में इन बंदरगाहों का हिस्सा 61 प्रतिशत है।

विदेशी निवेशकों ने अगस्त के पहले पखवाड़े मे भारतीय बाजारों में 28,203 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त के पहले पखवाड़े में भारतीय पूंजी बाजारों में शुद्ध रूप से 28,203 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अलावा करीब पांच माह बाद एफपीआई ऋण या बांड बाजार में शुद्ध निवेशक रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों तथा वैश्विक स्तर पर तरलता की स्थिति सुधरने की वजह से एफपीआई का निवेश बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने तीन से 14 अगस्त के दौरान शेयरों में शुद्ध रूप से 26,147 करोड़ रुपये तथा बांड बाजार में 2,056 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह उनका कुल निवेश 28,203 करोड़ रुपये रहा। बांड बाजार में एफपीआई करीब पांच माह बाद शुद्ध निवेशक रहे हैं। इससे पहले फरवरी में उन्होंने बांड बाजार में 4,734 करोड़ रुपये डाले थे। इससे पिछले दो माह में एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे हैं। उन्होंने जुलाई में भारतीय बाजारों में 3,301 करोड़ रुपये तथा जून में 24,053 करोड़ रुपये का निवेश किया था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा वैश्विक और घरेलू कारकों दोनों की वजह से एफपीआई ने शेयर बाजारों में भारी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजारों में अतिरिक्त नकदी उपलब्ध है क्योंकि कोरोना वायरस महामारी की वजह से प्रमुख केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए आक्रामक तरीके से प्रोत्साहन उपाय कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैनचेस्टर सिटी को 3-1 से हराकर लियोन सेमीफाइनल में पहुंचा

लिस्बन। मोउसा डेम्बेले के दो और मैक्सवेल कोर्नेट के एक गोल के बूते लियोन ने चैम्पियन लीग के क्वार्टर फाइनल में उलटफेर करते हुए मैनचेस्टर सिटी को 3-1 से हराया। फ्रांस की शीर्ष घरेलू लीग में सातवें स्थान पर रहने वाली लियोन ने मैनचेस्टर सिटी को लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में पहुंचने से रोक दिया। सेमीफाइनल में लियोन का सामना बायर्न म्यूनिख से होगा। मैनचेस्टर सिटी के लिए एकमात्र गोल केविन डी ब्रुएन ने मैच के 69वें मिनट में किया। इससे पहले कोर्नेट से मैच के 24वें मिनट में गोल कर लियोन का खाता खोला। मैच जब एक-एक की बराबरी पर था तब डेम्बेले (79 वां और 87 वां मिनट) ने आठ मिनट के अंदर दो गोल कर टीम का 3-1 से बढ़त दिला दी, जो निर्णायक साबित हुआ।

क्रिकेट

सी पी.एल. पर पड़ी कोविड-19 की मार : क्रिस गेल समेत यह स्टार प्लेयर हुए बाहर

नई दिल्ली ।

आई.पी.एल. की तरह सी.पी.एल. पर भी कोविड-19 ने बराबर प्रभाव डाला है। सीपीएल का आठवां संस्करण 18 सितंबर से शुरू होना है लेकिन कई स्टार प्लेयर कोविड या अन्य वजहों के कारण इसमें हिस्सा नहीं ले पाएंगे। खास बात यह है कि सेंट लूसिया टीम के स्टार प्लेयर क्रिस गेल भी सीपीएल नहीं खेल पाएंगे। वह निजी कारणों के चलते इस टूर्नामेंट से दूर हैं। वहीं, बाकी टीमों को भी बराबर का नुकसान हुआ है। अकेली त्रिनबागो नाइट राइडर्स ही टीम ऐसी है जिसके सारे प्लेयर सीपीएल के दौरान टीम के साथ मौजूद रहेंगे। इस टीम के कप्तान कैरोन पोलार्ड है। इस टीम में डीजे ब्रावो, सुनील नेरेन, कोलिन मुनरो जैसे स्टार भी हैं। किस टीम से कौन हैं बाहर, बारबाडोस ट्राईडेंट ः वहाब रियाज, रहमनुल्लाह गुरबाज, मार्कस स्टोइनिस, हैरी गुर्ने, एलेक्स हेल्स।, गुआना एमेजन वारियर्सः शोएब मलिक, शादाब खान, कैस अहमद।, जमायका तलाहवाज : तबरेज शम्सी, एंर्डे मैककर्थी, जेवर रॉयल।, सेंट किट्स एंड नेविस पैटरोयट्स : फैबियन ऐलन, रासी वेन दर दूसें, डेनिस बुल्ली, सन्नी सोहल।, सेंट लुसिया : क्रिस गेल, रिली रौसोव, एनरिक नोर्त्जे, कोलिन इनग्राम, नूर अहमद।, त्रिनबागो नाइट राइडर्स : कोई नहीं।, बता दें कि कोविड-19 महामारी के बीच सबकी नजरें सीपीएल पर टिकी हुई हैं। छह टीमों के बीच 33 मैच खेले जाने हैं। सबकी नजरें सीपीएल पर टिकी हुई हैं। छह टीमों के बीच 33 मैच खेले जाने हैं। भारत की ओर से 48 साल के प्रवीण तांबे पर भी नजरें रहेंगी जोकि संन्यास के बाद कैरेबियन प्रीमियर लीग खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर होंगे।

बेहतरीन बल्लेबाज सुरेश रैना का नवाबों के शहर लखनऊ से है गहरा नाता

लखनऊ।

कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी ने आज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। यह सुनकर देश भर में लोग मायूस थे कि बेहतरीन बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी कुछ ही क्षणों के बाद अपने सन्यास की घोषणा कर एक बड़ा झटका दे दिया। सुरेश रैना का उत्तर प्रदेश में स्थित नवाबों के शहर लखनऊ से गहरा नाता है। बता दें कि गाजियाबाद के मुरादनगर के रैना ने लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्टस कॉलेज तथा स्पोर्ट्स हॉस्टल लखनऊ में अपने खेल को निखारा और किर्केट के शीर्ष पर पहुंचे।

स्पोर्ट्स कालेज में एसपी कृष्णन तथा दीपक शर्मा की देखरेख में जूनियर क्रिकेट में धमाल मचाने के बाद स्पोर्ट्स हॉस्टल, गोमतीनगर में प्रमोद कुमार गुप्ता की देखरेख में खेल निखारकर प्रथम श्रेणी तथा

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में पदार्पण करने वाले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी शानदार पारियों ने टीम इंडिया के मध्यक्रम में अपनी जगह पक्की कर ली थी। लखनऊ आने पर सुरेश रैना हजरतगंज के साथ ही गोमतीनगर में उस जगह पर जरूर जाते हैं, जहां पर स्पोर्ट्स हास्टल था। इसके अलावा लखनऊ में अपने पुराने दोस्तों केसाथ पंतग उड़ाने का शौक वह चौक जाकर पूरा करते हैं। साथ पंतग उड़ाने का शौक वह चौक जाकर पूरा करते हैं। बता दें कि रैना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है और इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, ''माही आपके साथ खेलना अच्छा था। पूरे दिल से, गर्व के साथ, मैं आपकी इस यात्रा में शामिल होना चाहता हूं। थैंक यू इंडिया। जय हिन्द।

धोनी फुटबॉल में काफी अच्छाः जेजे

नयी दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी ने भले ही प्रतिष्ठा और नाम क्रिकेट में कमाया हो लेकिन वह फुटबॉल में भी 'काफी अच्छे' हैं और शीर्ष भारतीय पेशेवर फुटबॉलर को भी प्रभावित कर चुके हैं। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहकर अपने शानदार करियर का अंत करने वाले 39 साल के धोनी को फुटबॉल खेलना पसंद है और वह कई बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम चेन्नईयिन एफसी के साथ ट्रेनिंग करते हैं जिसके वह सहमालिक हैं। ऐसे ही सत्रों के दौरान भारतीय स्ट्राइकर जेजे लालपेखलुआ ने दो बार विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे धोनी का फुटबॉल कौशल देखा। जेजे ने धोनी के बारे में कहा, ''उसे फुटबॉल खेलना पसंद है। अगर वह मौजूद है और हम ट्रेनिंग के दौरान मैच खेल रहे हैं तो वह हमेशा हमारे साथ जुड़ने का प्रयास करता है।'' उन्होंने कहा, ''बेशक जब वह बच्चा था तो फुटबॉल खेलता था और आप देख सकते हैं कि अब भी उसे फुटबॉल खेलना कितना पसंद है। वह काफी अच्छा खेलता है।'' भारतीय क्रिकेट टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में खेलने वाले धोनी चेन्नईयिन एफसी के ट्रेनिंग सत्र के दौरान कभी कभी गोलकीपर की भूमिका भी निभाते थे। जेजे ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''वह स्कूल में गोलकीपर था। लेकिन जब वह खेलता है तो साफ दिखता है कि उसके फुटबॉल कौशल ने उसका साथ नहीं छोड़ा है। ईमानदारी से कहूं तो वह फुटबॉल में काफी अच्छा है।'' धोनी चेन्नईयिन एफसी के फुटबॉलरों की मदद के लिए आगे रहते हैं और उन्हें टिप्स देते रहते हैं कि चोटों से कैसे निपटा जाए। चेन्नईयिन एफसी के स्थानीय खिलाड़ी एडविन सिडनी वंशपॉल ने बताया कि शहर में धोनी कितने लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा, ''लोग यहां उन्हें लेकर दीवाने हैं। उनके पास नौकरी और परिवार की भले ही अन्य जिम्मेदारियां हों लेकिन अगर धोनी शहर में है ।

4 भारतीय क्रिकेटर जिन्होंने क्रिकेट के साथ देश भक्ति में किया टॉप

नई दिल्ली ।

देश कोई भी हो उनके खेल या अभिनय सितारों में हमेशा देश भक्ति रगों में खून की तरह दौड़ती है। भारत के पास भी कई ऐसे क्रिकेटर है जोकि ताउम्र अपनी देश भक्ति के लिए जाने लगे। स्वतंत्रता दिवस के आगमन पर आज हम आपको बताने जा रहे हैं उन चार भारतीय क्रिकेटरों के बारे में जोकि देश भक्ति के लिए जाने जाते हैं।

सचिन तेंदुलकर

सचिन भारतीय क्रिकेट टीम में संभवतः ऐसे पहले शख्स हैं जिन्होंने 24 साल लंबे करियर के दौरान अपने हेल्मेट पर तिरंगे का लोगो लगाया। खास बात यह थी कि तेंदुलकर को देखकर ही भारत के अन्य क्रिकेटरों ने भी अपने हेल्मेट पर तिरंगा लगाना शुरू कर दिया। वैसे भी सचिन भारतीय वायु सेना में लैफ्टिनेंट कर्नल हैं।

गौतम गंभीर

श्रीनगर में बम धमाके हो गुलाम कश्मीर में हिंसा की वारदातें गौतम गंभीर का रुख हमेशा पाकिस्तान के विरुद्ध सख्त रहा। गंभीर कई बार कश्मीर के मुद्दे को लेकर पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और उमर अकमल के साथ ट्विट वार कर चुके हैं। वैसे भी मैदान पर अफरीदी के प्रति उनके तेवर से हर कोई वाकिफ है। गंभीर कई बार कश्मीर के मुद्दे को लेकर पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी और उमर अकमल के साथ ट्विट वार कर चुके हैं। वैसे भी मैदान पर अफरीदी के प्रति उनके तेवर से हर कोई वाकिफ है।

वीरेंद्र सहवाग

भारत के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक वीरेंद्र सहवाग भी समय-समय पर सेना के जवानों के प्रति सम्मान जताते रहते हैं। कारगिल दिवस हो या स्वतंत्रता दिवस। वह हर मौके पर देश भक्ति की भावना

से ओतपोत अपने विचार देते रहते हैं। देश के अहम मुद्दों पर उनके विचार जरूर आते हैं।

महेंद्र सिंह धोनी

धोनी इंडियन आर्मी की पैराशूट दस्ते में कर्नल तैनात हैं। भारतीय टीम जब 2019 क्रिकेट विश्व से लौटी थी तब धोनी ने अपनी फौज की ड्यूटी ज्वाइंन कर सबका दिल जीत लिया था। हालांकि विश्व कप के दौरान भी लोगो वाले ऐसे दस्ताने पहने थे जिसके चलते सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हुई थी। धोनी ने अपनी बटालियन के लोगो वाले ऐसे दस्ताने पहने थे जिसके चलते सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हुई थी। हालांकि नियमों के कारण धोनी को वह दस्ताने अगले मैचों में नहीं पडने पड़े।

संक्षिप्त समाचार

त्वेसा ने सात ओवर 78 का कार्ड खेला, ब्रिटिश ओपन में स्थान सुनिश्चित

नार्थ बरविक । भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक ने यहां लेडीज स्कॉटिश ओपन के तीसरे दौर में सात ओवर 78 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 69वें स्थान पर चल रही हैं। उनका स्कोर अच्छा नहीं था, हालांकि इस भारतीय गोल्फर ने महिलाओं के अगले हफ्ते होने वाले ब्रिटिश ओपन में अपनी जगह पक्की कर ली। पहली बार तीन भारतीय महिला गोल्फर किसी मेजर टूर्नामेंट में भाग लेंगी। अदिति अशोक और दीक्षा डागर पहले ही महिलाओं के ब्रिटिश ओपन में जगह बना चुकी हैं।

हॉकी हरमनप्रीत सिंह के खेल से प्रेरणा मिलती है : संजय

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के डिफेंडर संजय ने कहा है कि उन्हें भारतीय सीनियर हॉकी टीम के डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह के हालिया प्रदर्शन से काफी

कुछ सीखने को मिला और उनके खेल को देखना हमेशा से अद्भुत रहा है। पिछले वर्ष सुल्तान जोहोर टूर्नामेंट में रजत पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान रहे संजय ने कहा- हरमनप्रीत को खेलते देखना हमेशा से अद्भुत रहा है। उन्होंने हाल के समय में भारत की कई जीत में बड़ा योगदान दिया है। वह मैचों के दौरान अपनी ऊर्जा का सही इस्तेमाल करते हैं और मैदान के बड़े हिस्से को कवर कर मिडफील्डर्स और डिफेंडरों के बीच एक बड़ा पुल बनते हैं। उन्होंने कई गोल भी दागे हैं, जिससे स्पष्ट है कि उनका ध्यान केवल डिफेंस पर केंद्रित नहीं है। अक्टूबर 2017 से अबतक भारतीय जूनियर हॉकी टीम के लिए 31 मैच खेल चुके 19 वर्षीय संजय ने कहा- हम सभी अपने प्रदर्शन को बड़े टूर्नामेंट में किए प्रदर्शन के आधार पर आंकते हैं। मैं पिछले कुछ वर्षों में टीम की सफलता में योगदान देकर खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। सुल्तान जोहोर कप 2017 मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था और हमने वहां कांस्य पदक जीता था। और फिर हम तीसरे युवा ओलंपिक खेल 2018 में रजत पदक हासिल करने में सफल रहे। यह मेरे जूनियर अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत है और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में कई और मैच खेलने को मिलेंगे। संजय ने अपने सबसे बड़े लक्ष्य के बारे में कहा- मैं जूनियर स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर खुश हूं लेकिन मैं निश्चित रूप से अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाना चाहता हूं और उम्मीद है से अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाना चाहता हूं और उम्मीद है से अपने खेल को अगले स्तर पर ले जाना चाहता हूं और उम्मीद है कि एक दिन मुझे भारतीय सीनियर टीम की ओर से भी खेलने का मौका मिलेगा। यह किसी भी युवा खिलाड़ी का सपना होता है और मैं भी इससे अलग नहीं हूं।

कैप्टन कूल कहे जाने वाले धोनी कई बार खो चुके हैं अपना आपा, अंपायर को भी लगा दी थी फटकार

नई दिल्ली ।

महेंद्र सिंह धोनी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में ज्यादातर समय शांत चित्त होकर फैसले लेते हुए नजर आए लेकिन कई बार ऐसा भी हुआ जब 'कैप्टन कूल ने तनावपूर्ण परिस्थितियों में मैदान पर आपा खो दिया। इसी तरह का एक क्षण तुरंत ही याद आ जाता है क्योंकि यह घटना हाल की ही है जो पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान घटी थी। चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रायल्स के बीच मुकाबले में वह खेल के दौरान ही मैदान में घुस गए थे। मैच का अंतिम ओवर था और चेन्नई सुपरकिंग्स को जीत के लिए 18 रन की दरकार थी। बेन स्टोक्स ने फुल टॉस गेंद फेंकी और अंपायर उल्हास गांधी ने इसे 'नो बॉल करार कर दिया और फिर अचानक अपने फैसले से पीछे हट गए। इससे धोनी को गुस्सा आ गया और वह मैदान के अंदर घुस गए जिसके कारण उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। इस घटना को याद करते हुए अंपायर गांधी ने ज्यादा कुछ नहीं कहा, उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ यही कह सकता हूं कि नियत प्रक्रिया का पालन किया गया था। हालांकि एक पूर्व बीसीसीआई अंपायर ने यह भी कहा, 'इसमें अंपायर और धोनी दोनों गलत थे। एक और घटना थी जब धोनी ने 2012 में ऑस्ट्रेलिया में सीबी श्रृंखला के दौरान अंपायर बिली बाउडेन पर ऊंगली उठाई थी। तीसरे अंपायर ने माइक हसी को स्टंप आउट का फैसला किया लेकिन रिप्ले में दिख रहा था कि उनका एक पैर क्रीज के अंदर था। टीवी अंपायर की गलती महसूस करते हुए बाउडेन ने हसी को वापस बुला लिया जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ रहे थे। धोनी को यह अच्छा नहीं लगा जिन्होंने न्यूजीलैंड के अंपायर की ओर ऊंगली से इशारा करते हुए अपनी नाराजगी दिखाई। कुछ और क्षण थे जब वह अपनी टीम के साथियों को गलती करने और उनकी सलाह पर ध्यान नहीं देने के लिए डांट रहे थे और उनकी ये बातें स्टंप माइक में सुनी गई। इंग्लैंड के 2009 दौरे के दौरान खिलाड़ियों की परेड को नहीं भुलाया जा सकता जब वह तब के उपकप्तान वीरेंद्र सहवाग के साथ उनके मतभेदों की खबरों से काफी नाराज थे। तब उन्होंने टीम की एकता को लेकर एक बयान भी पढ़ा था। दक्षिण अफ्रीका में 2018 में एक टी20 मैच के दौरान उन्होंने बल्लेबाज मनीष पांडे को फटकारा था कि वह अतिरिक्त रन लेने की उनकी आवाज पर ध्यान नहीं दे रहे थे क्योंकि धोनी खुद एक एक रन चुराने में माहिर थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को भी न्यूजीलैंड के 2014 दौरे के दौरान बख्शा नहीं गया जिन्होंने धोनी की सलाह नहीं मानते हुए बाउंसर लगाया जो कप्तान के सिर से निकलता हुआ बाउंड्री के लिए चला गया। शमी ने हाल में इंस्टाग्राम चैट में लिखा, 'माही भाई नेमुझे थोड़ा कड़ी भाषा में बोला, 'देख बेटा, बहुत लोग आये मेरे सामने। मुझे थोड़ा कड़ी भाषा में बोला, 'देख बेटा, बहुत लोग आये मेरे सामने। बहुत लोग खेल के चले गए झूठ मत बोल । बांग्लादेश में 2015 वनडे के दौरान धोनी पर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को धक्का देने के लिए उनकी मैच फीस का 75 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था जब वह एक रन पूरा करने की तेजी में थे। मुस्तफिजुर पर भी उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगा क्योंकि वह धोनी के रास्ते में आये थे। इन घटनाओं के बावजूद धोनी ने जिस तरह से खुद को इन वर्षों में आगे बढ़ाया, उसके लिए उनका सम्मान किया जाता है। हाल में आईसीसी एलीट अंपायरों के पैनल में पहुंचे नितिन मेनन ने धोनी के साथ अपनी बातचीत के बारे में कहा, 'मैंने 2017 में कानपुर में भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 से अपना अंपायरिंग पदार्पण किया था। भारत मैच हार गया लेकिन धोनी ने मुझे बधाई दी क्योंकि यह मेरा पहला मैच था। उन्होंने मुझसे कहा कि आपने अच्छा किया। उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं थी लेकिन उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने कहा, 'श्रृंखला के दौरान यात्रा में मैंने उन्हें कभी भी बिजनेस क्लास में सफर करते हुए नहीं देखा, जबकि उनके पास विकल्प होता था। वह हम सभी की तरह इकोनोमी क्लास में होते थे। उनके लिए यह मायने नहीं रखता। मेनन ने कहा, 'मैच और मैच के बाद वह मैदान पर बातचीत में घरेलू खिलाड़ियों के बारे में भी अकसर पूछते। कौन अच्छा कर रहा है, इसी तरह की बातें।

ग्रांड फाइनल शतरंज - कार्लसन को हराकर नाकामुरा नें बनाई बढ़त

नॉर्वे । मेगनस कार्लसन ऑनलाइन शतरंज टूर के फाइनल और 1 करोड़ 5 लाख रुपेय के पहले पुरुष्कार के लिए खेले जा रहे ग्रांड फाइनल मे पहले दिन ही विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन को अमेरिका के हिकारु नाकामुरा नें ज़ोर का झटका देते हुए 2.5-1.5 से पहला दिन अपने नाम कर लिया । बेस्ट ऑफ 7 दिन के इस मुक़ाबले मे विश्व चैम्पियन पहले दिन एक मुक़ाबला भी नहीं जीत सके और चार रैपिड का सेट तीन ड्रॉ और 1 हार से खो बैठे । पहले मैच मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे नाकामुरा की किंग पान ओपनिंग का जबाब कार्लसन नें सिसिलियन नजडोर्फ से दिया और जोरदार संघर्ष के बीच 49 चालों मे जब सिर्फ विरोधी रंग के ऊंट बचे तो मुक़ाबला ड्रॉ रहे । दूसरे मुक़ाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे कार्लसन नें क्यूजीडी एकसेपटेड ओपनिंग मे राजा को केंद्र मे रखकर हटकर खेलते हुएअपना एक्स्चेंज कुर्बान कर दिया पर बाजी उल्टी पड़ गयी और 56 चालों मे उन्हे हार माननी पड़ी और यही सबसे बड़ा परिणाम साबित हुआ और 1.5-0.5 से पीछे हुए कार्लसन बहुत ज़ोर लगातार भी अंतिम दोनों मुक़ाबले सिर्फ ड्रॉ कर सके । अपना एक्स्चेंज कुर्बान कर दिया पर बाजी उल्टी पड़ गयी और 56 चालों मे उन्हे हार माननी पड़ी और यही सबसे बड़ा परिणाम साबित हुआ और 1.5-0.5 से पीछे हुए कार्लसन बहुत ज़ोर लगातार भी अंतिम दोनों मुक़ाबले सिर्फ ड्रॉ कर सके ।

भारत के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों ने माना, ये खिलाड़ी हो सकता है धोनी का विकल्प

नई दिल्ली ।

महेन्द्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अलविदा कहने के बाद युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत से दबाव थोड़ा कम होगा लेकिन भारत के तीन पूर्व विकेटकीपरों का मानना है कि निकट भविष्य में लोकेश राहुल उनके सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। नयन मोंगिया, एमएसके प्रसाद और दीप दासगुप्ता ने इस बात पर सहमति जताई कि वर्तमान में टीम में इस जगह के लिए राहुल और पंत के बीच मुकाबला होगा जिसमें तीसरे स्थान पर संजू सैमसन है। भारत के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक रहे मोंगिया ने कहा, 'राहुल, मुझे लगता है कि 50 ओवरों के प्रारूप के लिए वह मेरी पहली पसंद होंगे। मैंने केएल (राहुल) के बारे में जो कुछ भी देखा है, वह विकेट के पीछे बुरा नहीं है। जब से उन्होंने विकेटकीपींग करना शुरू किया है, उनकी बल्लेबाजी में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मौजूदा फार्म को देखे तो राहुल मेरी पहली पसंद होंगे, उसके बाद आप ऋषभ पंत को मौके दे सकते है। दासगुप्ता भी मोंगिया की बातों से सहमत दिखे, उन्होंने माना कि राहुल और पंत को इस्तेमाल करने के मामले में टीम 'प्रारूप के मुताबिक लचीलापन अपना सकती है। उन्होंने कहा, 'देखिए, टी20 में, मेरा मानना है कि दोनों अंतिम 11 में खेल सकते हैं। लेकिन एक विकल्प को चुनना होगा तो मौजूदा समय के लिए टी20 में मैं राहुल को चुनुंगा। उन्होंने कहा, 'हालांकि, 50 ओवर के प्रारूप में, टीम प्रबंधन और चयनकर्ता उनसे बात करके यह पता कर सकते है कि वह 2023 विश्व कप तक लंबे समय तक इसे जारी रखने के साथ नंबर पांच पर बल्लेबाजी करना चाहते है जो मध्य क्रम में एक महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ समय पहले तक राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष रहे प्रसाद ने भी माना कि राहुल की स्थिति ऋषभ से बेहतर है। उन्होंने कहा, 'अगर आप भारत की पिछली न्यूजीलैंड श्रृंखला को देखे तो राहुल मेरी पहली पसंद होंगे और तीसरे विकल्प के रूप में संजू है। उन्होंने अच्छा किया और परिस्थितियों के अनुसार टीम को अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज को खेलने का लचीलापन दिया है। उन्होंने कहा, 'लेकिन हां, पांच महीने बाद हर कोई नई शुरूआत करेगा और आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) फॉर्म महत्वपूर्ण होगा। प्रसाद और दासगुप्ता ने कहा कि धोनी के संन्यास की घोषणा से पंत को राहत मिली होगी। दासगुप्ता ने कहा, 'पंत की तुलना बार-बार धोनी से होती थी, जिससे इस युवा खिलाड़ी पर काफी दबाव पड़ा। दबाव में वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके। अब वह खुल कर खेल सकते है। उन्हें खिलाड़ी के तौर पर परिपक्व होने की जरूरत है। प्रसाद ने कहा कि 'ऋषभ (पंत) अब जूनियर माही की जगह ऋषभ ही रहेंगे। उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में ऋषभ पंत में निवेश किया है।

हमने इन वर्षों में पंत का सबसे अच्छा और सबसे खराब देखा है। हमने इन वर्षों में पंत का सबसे अच्छा और सबसे खराब देखा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की सेवा करेगा, बशर्ते उसे ठीक से तैयार किया जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

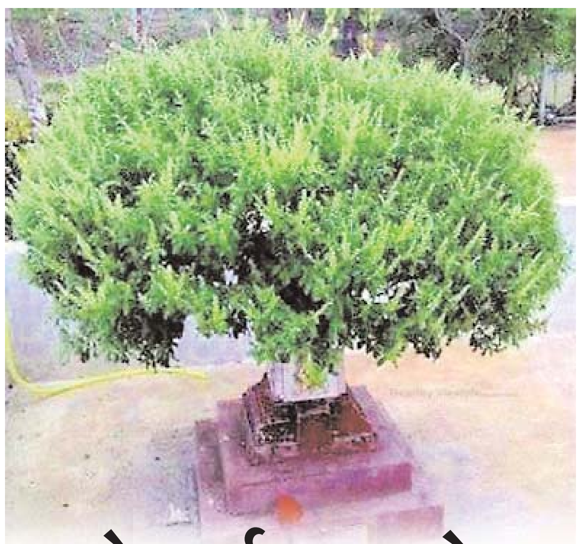

घर के कई वास्तु दोष दूर करती है तुलसी

भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे का बहुत महत्व है और इस पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में यह तुलसी का पौधा नहीं होता उस घ में भगवान भी रहना पंसद नहीं करते। माना जाता है कि घर में आंगन में तुलसी का पौधा लगा कलह और दरिद्रता दूर करता है। तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं। वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है। तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढ़ता है। पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी। अगर संतान बहुत ज्यादा जिद्दी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें। यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी। यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढ़ाएं। नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपड़े में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।

यह उपाय करने से शांत होंगे शनि दोष

सभी ग्रहों में सूर्य पुत्र भगवान शनिदेव को सबसे कूरर ग्रह माना गया है। भगवान शनिदेव हर राशि में विचरण करते हैं। किसी राशि में शनिदेव ढाई वर्ष तो किसी राशि साढे सात वर्ष तक रहते हैं। भगवान शनिदेव को कर्मो के अनुसार दण्ड देने का प्रतीक माना जाता है। जो जैसा कार्य करता है भगवान शनिदेव उसे वैसा ही दण्ड देते हैं। जिस किसी भी कुण्डली में शनिदेव विराजमान होते हैं वे इंसान हमेशा परेशान रहते हैं। शास्त्रों के अनुसार कुछ उपाय करने से शनिदेव शांत रहते हैं और उस इंसान को शनिदेव कम परेशान करते हैं। शनिवार के दिन काले घोडे की नाल या समुद्री नाव की कील से लोहे की अंगूठी बनवाएं। उसे तिल्ली के तेल में 7 दिन शनिवार से शनिवार तक रखें तथा उस पर शनि मंत्र के 23,000 जाप करें। शनिवार के दिन शाम के समय इसे धारण करें। यह अंगूठी मध्यमा (शनि की अंगुली) में ही पहनें तथा इसके लिए पुष्य, अनुराधा, उत्तरा, भाद्रपद एवं रोहिणी नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं। शनिवार या शनि जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्त्रान आदि से निवृत्त होकर कुश (एक प्रकार की घास) के आसन पर बैठ जाएं। सामने शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें व उसकी पंचोपचार से विधिवत पूजन करें। पूजन के बाद रूद्राक्ष की माला से नीचे लिखे किसी एक मंत्र की कम से कम 5 माला जप करें तथा शनिदेव से सुख-संपत्ति के लिए प्रार्थना करें। यदि प्रत्येक शनिवार को इस मंत्र का इसी विधि से जप करेंगे तो शीघ्र लाभ होगा।

पौराणिक शनि मंत्र

ऊं हि्रं नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम।
छाया मार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम।।

प्रत्येक शनिवार को शाम के समय बड़ (बरगद) और पीपल के पेड़ के नीचे सूर्योदय से पहले स्त्रान आदि करने के बाद कडवे तेल का दीपक लगाएं और दूध एवं धूप आदि अर्पित करें।

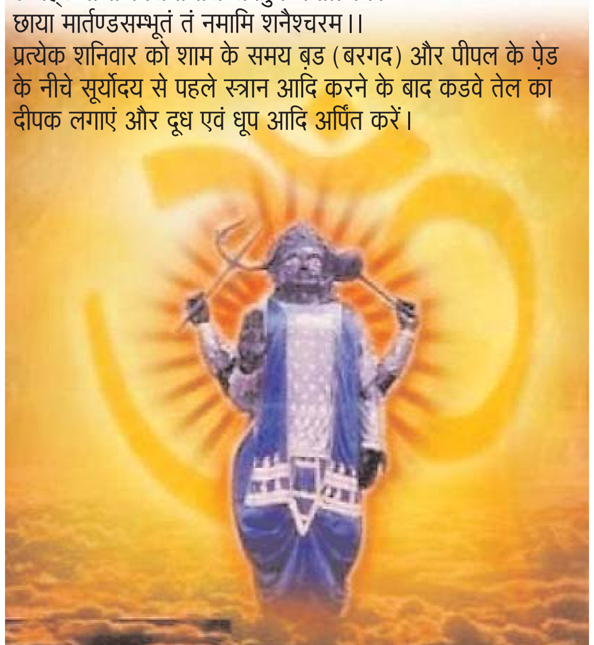

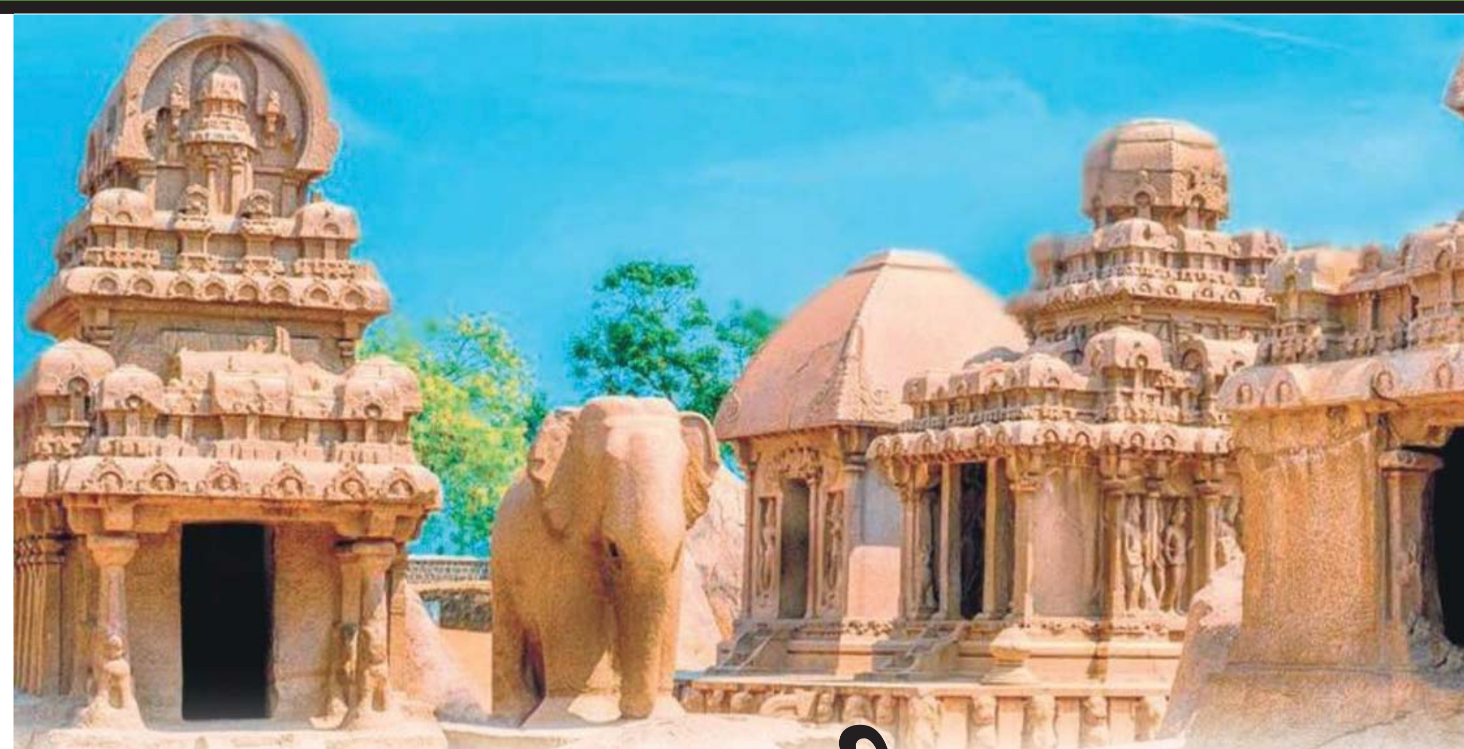

तमिलनाडु में कई प्राचीन शहर है जिसमें से एक है महाबलीपुरम जो समुद्र तट पर स्थित है। इस शहर का इतिहास बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यहां प्रस्तुत है संक्षिप्त जानकारी।

महाबलीपुरम का धार्मिक इतिहास और अद्भुत मंदिर

महाबलीपुरम का नामकरण : इस शहर का नाम महान दानवीर असुर राजा महाबली के नाम पर रखा गया था। महाबली ने विष्णु के वामन अवतार को तीन पग भूमि दान में दी थी। वामन भगवान ने दो पग में त्रिलोक्य नाप दिया और फिर पूछा कि राजन तीसरा पग कहां रखूं तो महाबली ने कहा कि भगवन अब बस मेरे सिर ही बचा है आप उसी पर अपना पग रख लें। महाबली की दानवीरता और सत्यता से प्रभावित होकर वामन भगवान ने उन्हें पाताल लोक का चिरंजीवी राजा बनाकर खुद वहां के पहरेदार बन गए। कहते हैं कि आज भी महाबली जिंदा हैं। केरल में उनकी पूजा होती है।

कहते हैं कि बाद में पल्लव राजा नरसिंह वर्मन, जिन्हें मामल्ला के नाम से जाना जाता था उन्होंने महाबलीपुरम का नाम मामल्लापुरम रख दिया था। राजा नरसिंह वर्मन के द्वारा महाबलीपुरम का नाम मामल्लापुरम रखने पर भी आज लोग इस स्थान को महाबलीपुरम के नाम से ही ज्यादा जानते हैं।

7वीं और 10वीं सदी के पल्लव राजाओं द्वारा बनाए गए कई मंदिर और स्थान यहां की शोभा बढ़ा रहे हैं। कांचीपुरम पर राज करने वाले पल्लवों की यह दूसरी राजधानी थी। गुप्त राजवंश के पतन के बाद पल्लव राजाओं ने दक्षिण भारत में राज किया। उन्होंने लगभग 3री सदी से 9वीं सदी के अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। पल्लव राजाओं के शासन काल के दौरान कई महान कवि, नाटक कार, कलाकार, कारीगर, विद्वान और संत हुए थे। कारीगरी के मामले में पल्ववों का साम्राज्य अग्रिण था।

बोधिधर्म : पल्वव राजाओं के राज में ही महान भिक्षु बोधिधर्म थे। बोधिधर्म का जन्म दक्षिण भारत के पल्लव राज्य के कांचीपुरम के राज परिवार में हुआ था। वे कांचीपुरम के राजा सुगंध के तीसरे पुत्र थे। छोटी आयु में ही उन्होंने राज्य छोड़ दिया और भिक्षुक बन गए। 22 साल की उम्र में उन्होंने संबोधि (मोक्ष की पहली अवस्था) को प्राप्त किया। दुनिया के महान भिक्षुओं में से एक बोधी धर्मन को जो नहीं जानता वह मार्शल आर्ट के इतिहास को भी नहीं जानता होगा। चीन में मार्शल आर्ट और कुंग फू जैसी विद्या को सिखाया था बोधी धर्मन ने। प्रबुद्ध होने के बाद राजमाता के आदेश पर उन्हें सत्य और ध्यान के प्रचार-प्रसार के लिए चीन में भेजा गया था। यह भी कहा जाता है कि ह्वेनसांग ने जब भारत की यात्रा की थी तो वे महाबलीपुरम में आए थे और यहीं रहकर उन्होंने बौद्ध धर्म के बारे में जानकारियां जुटाई थीं।

राजा महाबली : राजा बलि का राज्य संपूर्ण दक्षिण भारत में था। उन्होंने महाबलीपुरम को अपनी राजधानी बनाया था। प्रसिद्ध पौराणिक पात्र वृत्र (प्रथम मेघ) के वंशज हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद था। प्रह्लाद के पुत्र विरोचन का पुत्र महाबली था। दरअसल, कश्यप ऋषि की पत्नी दिति के दो प्रमुख पुत्र हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष थे। हिरण्यकश्यप के 4 पुत्र थे- अनुहल्लाद, हल्लाद, भक्त प्रह्लाद और संहल्लाद। प्रह्लाद के कुल में विरोचन के पुत्र राजा बलि का जन्म हुआ। महाबली ने समुद्र मंथन में हिस्सा लिया था।

महाबलीपुरम के मंदिर : कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल में सैंकड़ों मंदिर थे। यह स्थान कई भव्य मंदिरों, स्थापत्य और सागर-तटों के लिए बहुत प्रसिद्ध था। महाबलीपुरम् के बारे में माना जाता है कि इसके तट पर 17वीं शताब्दी में 7 मंदिर स्थापित किए गए थे और एक तटीय मंदिर को छोड़कर शेष 6 मंदिर समुद्र में डूब गए थे।

शोर मंदिर- महाबलीपुरम के समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर प्राचीन वास्तु कला का उदहारण है। भगवान शिव और विष्णु को समर्पित शोर मंदिर का निर्माण लगभग 700-728 ईस्वी के समय हुआ था। इस स्टोन टेम्पल इसलिए कहते हैं क्योंकि मंदिर वाला भाग ग्रेनाइट पत्थर से बना हुआ है जो देखने में बहुत ही सुंदर दिखता है। मंदिर के प्रांगण में सात पगोडा की पत्थर की मूर्तियां हैं जिन्हें देखना अद्भुत है। इस मंदिर की अलग ही कथा है।

पंच रथ मंदिर- महाबलीपुरम के समुद्री तट पर दूसरा मंदिर पंच रथ या पंच पांडवों का रथ नामक मंदिर है। यह एक सुन्दर स्मारक परिसर है जिसका निर्माण 7वीं सदी में महेंद्र वर्मन प्रथम और बेटे नरसिंह वर्मन प्रथम ने करवाया था। पंच रथ के पांच स्मारकों को पूरी तरीके से रथ के समान बनाया गया है जो सभी ग्रेनाइट पत्थर को खोद-खोद कर बनाए गए हैं। इसमें महाभारत की कहानी को दर्शाते हुए कलाकृतियां देखने को मिलती हैं। यह सभी रात बड़े से छोटे आकार में इस प्रकार से हैं- धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल एवं सहदेव रथ और द्रौपदी रथ।

गंगा अवतरण का स्मारक- यह गंगा अवतरण के स्मारक महाबलीपुरम के कोरोमोंडल तट पर कांचीपुरम जिले में स्थित हैं। 96.43 फीट का यह स्मारक सुंदर कलाकारी को दर्शाता है। यह एक बड़ा पत्थर है जसमें खोद-खोद कर गंगा की उत्पत्ति का बहुत ही अद्भुत चित्रण किया गया है।

टाइगर गुफाएं- यह गुफाएं महाबलीपुरम की सबसे बेहतरीन कलाकृतियां हैं। इनके बाहर पत्थर में उभरे हुए शेर की मूर्तियां हैं। यह भी पल्लव राजाओं द्वारा बनाया गया था।

कृष्ण की मक्खन गेंद- दक्षिण भारत के महाबलीपुरम में 1200 वर्ष पुराना एक पत्थर बहुत ही अजीबोगरीब तरीके से रखा हुआ है। इसे देखकर लगता है कि यह जरा से टल्ले में नीचे गिर पड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। इस पत्थर की चौड़ाई 5 मीटर तथा ऊंचाई 20 फीट है। 1908 में इस पत्थर पर उस समय के मद्रास गवर्नर आर्थर की नजर पड़ी तो उनको लगा कि यह पत्थर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है इसलिए उन्होंने इस पत्थर को उसके स्थान से हटवाने के लिए 7 हाथियों से खिंचवाया पर यह पत्थर अपनी जगह से 1 इंच भी नहीं खिसका।

ग्रेविटी के नियमों की उपेक्षा करते हुए यह पत्थर एक ढलान वाली पहाड़ी पर 45 डिग्री के कोण पर बिना लुढ़के टिका हुआ है। लोग इस पत्थर को 'कृष्ण की मक्खन गेंद' भी कहते हैं क्योंकि उनका मानना है की यह पत्थर मक्खन की गेंद है जिसको कृष्ण ने अपनी बाल्य अवस्था में नीचे गिरा दिया था।

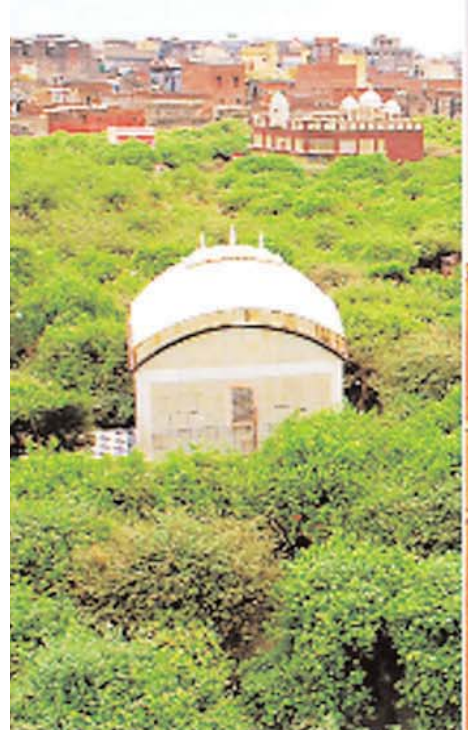

चमत्कारिक और रहस्यमी है निधिवन का श्रीकृष्ण राधा मंदिर

भारत में कई चमत्कारिक और ररहस्यमी मंदिर है। उन्हीं में से एक ऐसा मंदिर है जिसके दरवाजे रात अपने आप ही बंद हो जाते हैं और सुबह होते ही खुल जाते हैं। इस मंदिर के संबंध में इसके अलावा और भी चमत्कार जुड़े हुए हैं। हालांकि यह कितना सच है यह कहना मुश्किल है क्योंकि यह शोध का विषय है। लोग मानते हैं कि वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है। यह भी माना जाता है कि इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं।

लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद? लोगों की मान्यता है कि इस मंदिर के दरवाजे रात में अपने आप बंद हो जाते हैं इसलिए मंदिर के पुजारी अंधेरा होने से पहले प्रसाद और पलंग का इंजजाम करके रखते हैं और रात की अंतिम आरती के बाद चले जाते हैं। रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

हालांकि सच क्या है यह तो शोध का विषय ही है। हालांकि सच ये हैं कि निधिवन में श्रीकृष्ण राधा का एक ऐसा मंदिर है जहां राधा और कृष्ण के शयन करने की मान्यता है। मान्यता अनुसार इस मंदिर को तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामीजी की समाधि भी बनी है। जानिए इस मंदिर के बारे में 5 रहस्य।

- जनश्रुति है कि प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रात: दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।
- हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।
- कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।
- इस मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है।
- यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाइडेन राष्ट्रपति बने तो अमेरिका का अहम साझीदार बनेगा भारतः टोनी ब्लिंकेन

वाशिंगटन।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन की प्रचार मुहिम के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि बाइडेन प्रशासन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में भारत की अग्रणी भूमिका की वकालत करेगा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद सदस्य बनने में भारत की मदद करेगा। पूर्व राजनयिक एवं बाइडेन के शीर्ष विदेश नीति सलाहकार टोनी ब्लिंकेन ने कहा कि बाइडेन प्रशासन दक्षिण एशिया में आतंकवाद को कतई सहन न करने की नीति अपनाएगा। ब्लिंकेन ने ''जो बाइडेन प्रशासन में भारतीय-अमेरिकी और अमेरिका एवं भारत के संबंध विषय पर पैनल चर्चा के दौरान शनिवार को कहा कि यदि बाइडेन चुनाव जीत जाते हैं, तो वह भारत को सुरक्षा परिषद में सीट दिलाने में मदद करेंगे और भारत एवं अमेरिका के रक्षा संबंधों को मजबूत करेंगे। उन्होंने भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा के एक सवाल के जवाब में कहा कि उनका मानना है कि जो बाइडेन राष्ट्रपति के तौर पर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए और भारत जैसे निकट सहयोगियों के साथ काम करेंगे। ब्लिंकेन से सवाल किया गया था कि दुनिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र एवं भारतीय सीमा पर चीनी आक्रामकता को देख रही है और भारत सीमा पार आतंकवाद के खतरों का सामना कर रहा है, ऐसे में अमेरिका में बाइडेन प्रशासन भारत का किस प्रकार समर्थन करेगा।

उन्होंने कहा, ''ओबामा प्रशासन में, हमने हिंद-प्रशांत रणनीति के अहम सहयोगी के तौर पर भारत को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। ब्लिंकेन ने कहा, ''इस भूमिका को क्षेत्र से आगे भी पूरी दुनिया में बढ़ाने की आवश्यकता है।

बाइडेन राष्ट्रपति बने तो अमेरिका का अहम साझीदार बनेगा भारतः टोनी ब्लिंकेन

वाशिंगटन।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन की प्रचार मुहिम के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि बाइडेन प्रशासन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में भारत की अग्रणी भूमिका की वकालत करेगा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद सदस्य बनने में भारत की मदद करेगा। पूर्व राजनयिक एवं बाइडेन के शीर्ष विदेश नीति सलाहकार टोनी ब्लिंकेन ने कहा कि बाइडेन प्रशासन दक्षिण एशिया में आतंकवाद को कतई सहन न करने की नीति अपनाएगा। ब्लिंकेन ने ''जो बाइडेन प्रशासन में भारतीय-अमेरिकी और अमेरिका एवं भारत के संबंध विषय पर पैनल चर्चा के दौरान शनिवार को कहा कि यदि बाइडेन चुनाव जीत जाते हैं, तो वह भारत को सुरक्षा परिषद में सीट दिलाने में मदद करेंगे और भारत एवं अमेरिका के रक्षा संबंधों को मजबूत करेंगे। उन्होंने भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा के एक सवाल के जवाब में कहा कि उनका मानना है कि जो बाइडेन राष्ट्रपति के तौर पर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए और भारत जैसे निकट सहयोगियों के साथ काम करेंगे। ब्लिंकेन से सवाल किया गया था कि दुनिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र एवं भारतीय सीमा पर चीनी आक्रामकता को देख रही है और भारत सीमा पार आतंकवाद के खतरों का सामना कर रहा है, ऐसे में अमेरिका में बाइडेन प्रशासन भारत का किस प्रकार समर्थन करेगा। उन्होंने कहा, ''ओबामा प्रशासन में, हमने हिंद-प्रशांत रणनीति के अहम सहयोगी के तौर पर भारत को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई।

ब्लिंकेन ने कहा, ''इस भूमिका को क्षेत्र से आगे भी पूरी दुनिया में बढ़ाने की आवश्यकता है। बाइडेन प्रशासन में हम इस बात की वकालत करेंगे कि भारत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में अग्रणी भूमिका निभाए। इनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद उसमें भारत को सीट दिलाने में मदद करना भी शामिल है।

पाक में पाकिस्तान-चीन के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, निकाली मशाल रैली

पेशावर।

पाकिस्तान और चीन दोस्ती अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में खटकने लगी है। चीन की कंपनियों के खिलाफ पीओके में के लोग भी अब सड़कों पर उतर आए हैं। मुजफ्फराबाद में लोगों ने रैली निकाल कर चीन की कंपनियों की ओर से बनाए जा रहे बांध का विरोध किया। क्षेत्र की नीलम-झेलम नदी पर बांध निर्माण के विरोध में पीओके के मुजफ्फराबाद शहर में लोगों ने बुधवार को विशाल मशाल रैली निकाल कर विरोध दर्ज कराया। इस रैली का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें भीड़ को नारेबाजी करते हुए देखा जा सकता है। सड़कों पर उतर कर लोगों ने जुलूस निकाला और नारेबाजी की। इस दौरान रैली में शामिल प्रदर्शनकारियों ने नदियों को बचाने के नारे भी लगाए। प्रदर्शनकारी नीलम-झेलम बहने दो, हमें जिंदा रहने दो का नारा लगा रहे थे। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान और चीन ने में आजाद पट्टन और कोहाला हाइड्रो पावर परियोजनाओं के निर्माण के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के हिस्से के रूप में 700.7 मेगावाट बिजली की आजाद पट्टन हाइडल पावर परियोजना पर 6 जुलाई, 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे। इस 1.54 बिलियन डॉलर की परियोजना को चीन जियोझाबा ग्रुप कंपनी के जरिए प्रायोजित किया जाएगा।

अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों ने भारत को 74वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं

वाशिंगटन।

शीर्ष अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों ने भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीयों को शुभकामनाएं दीं और देशभर में भारतीय-अमेरिकियों ने ब्रितानी औपनिवेशिक काल से आजादी की वर्षगांठ कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए अलग-अलग तरीकों से मनाई। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के शीर्ष नेताओं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे डोनाल्ड जे ट्रम्प जूनियर, राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भारत और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

ट्रम्प जूनियर ने भारत को शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट किया, '' मैं वहां अपने मित्रों और मेरे भारतीय-अमेरिकी मित्रों का आभारी हूं।'' 'ट्रम्प विक्टरी फायनेंस कमेटी' के राष्ट्रीय अध्यक्ष किमबर्ली गुइलफोयले ने भी भारत को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। बाइडेन की प्रचार मुहिम ने भारतीय-अमेरिकियों के संबंध में अपनी नीति संबंधी दस्तावेज जारी किए। बाइडेन ने भारतीय अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में भारतीय मूल के सभी अमेरिकियों को ''भारत के स्वतंत्राता दिवस की शुभकामनाएं''।

हैरिस ने कहा, ''भारत के लोगों और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी लोगों को मैं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देती हूं। पूरे भारत में पुरुषों एवं महिलाओं ने 15 अगस्त, 1947 के दिन देश की आजादी की घोषणा का जश्न मनाया था।''

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस के गृहमंत्री कोरोना को दोबारा हुआ कोरोना

मनीला। फिलह्पींस के गृहमंत्री एडुआडर एनो कोरोना वायरस (कोविड-19) से दोबारा संक्रमित हो गये हैं। एनो ने रविवार को खुद यह जानकारी दी। सीएनएन फिलीपींस न्यूज चैनल ने एनो के हवाले से कहा, 15 अगस्त की रात मुझे अपनी कोरोना की रिपोट प्राप्त हुई, जिसमें मैं इस वायरस से संक्रमित पाया गया हूं। श्री एनो इससे पहले मार्च के आखिर में इस वायरस से संक्रमित पाये गये थे। फिलिपींस में अब तक 157918 लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं तथा 2600 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

पाकिस्तान में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या 6,168 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले चौबीस घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 670 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,88,717 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार कोविड-19 से छह और मरीजों की मौत भी हुई है। इस महामारी से देश में अब तक 6,168 मरीज जान गंवा चुके हैं। देश भर में अब तक कोविड-19 के 2,66,301 मरीज ठीक हो चुके हैं और विभिन्न अस्पतालों में भर्ती 769 मरीजों की हालत नाजुक है। मंत्रालय के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों में से सिंध में 125,904, पंजाब में 95,391, खैबर पख्तूनख्वा में 35,153, इस्लामाबाद में 15,378, बलूचिस्तान में 12,224, गिलगित बल्तिस्तान में 2,486 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 2,181 मामले सामने आ चुके हैं।

नेपाल में भूस्खलन से 18 लोगों की मौत व 21 लापता, तलाश अभियान जारी

काठमांडू। नेपाल में भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ कर 18 हो गयी है तथा 21 लापता लोगों की तलाश जारी है। पुलिस, सशस्त्र बलों तथा सेना के जवान स्थानीय लोगों की मदद से लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। नेपाल के सिंधुपालचौक जिले में जुगल ग्रामीण नगर पालिका क्षेत्र में शुक्रवार तड़के हुए इस भूस्खलन के बाद मलबे में दबे 18 लोग के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 21 लोग अब भी लापता हैं। इस घटना में पहाड़ी का एक हिस्सा टूट कर लिडी गांव के 37 मकानों पर जा गिरा। पुलिस अधीक्षक प्रज्वोल महारजन ने बताया कि मृतकों में 11 बच्चे, चार महिलाएं तथा तीन पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पहाड़ी का एक हिस्सा टूट कर 25 घरों पर गिर गया। फिर से भूस्खलन होने के खतरे को देखते हुए हमने लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया है और वे लोग टेंट में रह रहे हैं।

पाकिस्तान में लोगों को जबरन गायब करने के विरोध में सिंधी समुदाय ने अमेरिका में प्रदर्शन किया

वाशिंगटन। सिंधी समुदाय के सदस्यों ने पाकिस्तान में लोगों को जबरन गायब करने के विरोध में और पीड़ितों के परिवारों के प्रति एकता दर्शाते हुए अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन करने वाले 'सिंधी फाउंडेशन' ने एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सिंध में जबरन गायब किए गए लोगों को मुक्त करने संबंधी नारे लगाए। उनके हाथों में पीड़ितों की तस्वीरों वाले पोस्टर थे। इस प्रदर्शन में सिंध, बलूच और पख्तून के नेताओं के अलावा गिलगित बाल्टिस्तान के लोग भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने जबरन गायब किए सभी पीड़ितों को छोड़ने की मांग की, जिनमें शिक्षक एवं विद्वान सारंग जोयो शामिल हैं। उन्हें मंगलवार को कराची में उनके घर से अगवा किया गया। सिंधी फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक सुफी लागहारी ने बताया कि सारंग जोयो के पिता ताज जोयो सिंधी कवि और लेखक हैं। उन्होंने पाकिस्तान का राष्ट्रपति पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

इसराईल ने हमास के ठिकानों पर किये हवाई हमले

गाजा। इसराईल ल ने रविवार तड़के गाजा पट्टी में हमास के कुछ ठिकानों पर हवाई हमले किए । इसराईल ने यह कार्रवाई हमास द्वारा दक्षिण इसराईल में विस्फोटकों वाले गुब्बारे छोड़े जाने की प्रतिक्रिया में की है। हमास से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इसराईल के टोही ड्रोन और लड़ाकू विमान तटीय एन्क्लेव पर मंडराते रहे और हमास की सशस्त्र इकाई अल कसम ब्रिगेड की चौकियों तथा ठिकानों को लक्षित करके कई मिसाइल दागे। ब्रिगेड की चौकियों तथा ठिकानों को लक्षित करके कई मिसाइल दागे। सूत्रों के अनुसार हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं हैं, लेकिन इस हवाई हमले में कुछ ठिकानों को क्षति पहुंची है तथा नजदीक के कुछ मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के छोटे भाई रॉबर्ट न्यूयॉर्क के अस्पताल में भर्ती

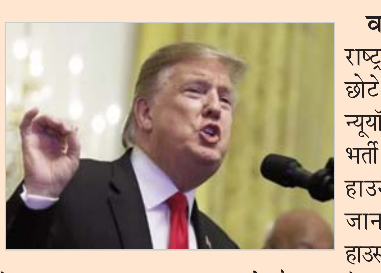

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के छोटे भाई रॉबर्ट ट्रंप को न्यूयॉर्क में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। व्हाइट हाउस के हवाले से यह जानकारी मिली। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ज्यूड डीरे के अनुसार, राष्ट्रपति शुक्रवार को मैनहट्टन के एक अस्पताल में अपने 72 वर्षीय भाई से मिल सकते हैं। व्हाइट हाउस ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है कि रॉबर्ट ट्रंप को अस्पताल में क्यों भर्ती किया गया है। रॉबर्ट ट्रंप ने हाल ही में ट्रंप परिवार की ओर से एक मुकदमा दायर किया था जिसमें राष्ट्रपति की भतीजी मैरी की ''टू मच एंड नेवर एनफ'' नाम की पुस्तक का प्रकाशन बंद करने की मांग की गई थी। राष्ट्रपति ने कहा था कि मैरी ने ट्रंप परिवार के साथ किसी आर्थिक निपटान के संबंध में गोपनीयता के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और यह उसका उल्लंघन है।

लोगों को जबरन गायब करने का मामलाः सिंधी समुदाय ने अमेरिका में पाक के खिलाफ किया प्रदर्शन

वाशिंगटन।

सिंधी समुदाय के सदस्यों ने पाकिस्तान में लोगों को जबरन गायब करने के विरोध में और पीड़ितों के परिवारों के प्रति एकता दर्शाते हुए अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन करने वाले 'सिंधी फाउंडेशन% ने एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सिंध में जबरन गायब किए गए लोगों को मुक्त करने संबंधी नारे लगाए। उनके हाथों में पीड़ितों की तस्वीरों वाले पोस्टर थे। इस प्रदर्शन में सिंध, बलूच और पख्तून के नेताओं के अलावा गिलगित बाल्टिस्तान के लोग भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने जबरन गायब किए सभी पीड़ितों को छोड़ने की मांग की, जिनमें शिक्षक एवं विद्वान सारंग जोयो शामिल हैं। उन्हें मंगलवार को कराची में उनके घर से अगवा किया गया। सिंधी फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक सुफी लागहारी ने बताया कि सारंग जोयो के पिता ताज जोयो सिंधी

कवि और लेखक हैं। उन्होंने पाकिस्तान का राष्ट्रपति पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

सीमा विवाद के बीच चीन ने स्वतंत्रता दिवस पर भारत को दी बधाई, भेजा कूटनीतिक संदेश

बीजिंग।

लद्दाख में सीमा विवाद को लेकर चल रही तल्खी के बीच चीन ने भारत को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी है। भारत में चीन के राजदूत सून वेडॉन्ग ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर भारत सरकार और लोगों को बधाई। बता दें कि बीते कुछ समय से सीमा पर खूनी झड़प की वजह से दोनों देशों के बीच तनातनी जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 74वां स्वतंत्रता दिवस पर भारत में चीन के राजदूत सून वेडॉन्ग ने कूटनीतिक संदेश में कहा, भारत सरकार और भारतीयों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई। आशा करते हैं कि चीन और भारत, प्राचीन सभ्यता वाला दो महान राष्ट्र शांति के साथ समृद्ध हो और करीबी साझेदारी के साथ विकसित हो। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को चीनी राजदूत ने सून वेडॉन्ग ने एक पत्रिका में लिखे लेख में गलवान घाटी हिंसा मामले में निस्पक्ष जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार सीमा नियमों का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराए और भारत को चाहिए कि वह सीमा पर अपने सैनिकों को सख्ती से अनुसाशित करे। उन्होंने यह भी लिखा भारत ऐसी घटनाओं को फिर ने होने देने के लिए जरूरी कदम उठाए, सेना को भड़काने की कोशिश न करें। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में एलएएसी के पास कई सप्ताह तक दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनाव की वजह से ही 15 जून को गलवान घाटी में हिंसक झड़प हुई जिसमें भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हो गए। इससे पहले 2002 में पश्चिमी क्षेत्र के नक्शे का आदान-प्रदान करने की कोशिश असफल रही थी, क्योंकि चीन अंतिम क्षण में इससे पीछे हट गया था। अमेरिका ने भी भारतवासियों को जश्न-ए-आजादी की शुभकामनाएं दी हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने भारतीयों को उनके 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अमेरिका और भारत के बीच मित्रता एवं साझी लोकतांत्रिक परम्पराओं के कारण निकट संबंध हैं। विदेश मंत्री पोम्पिओ ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए शुक्रवार को अपने संदेश में कहा, अमेरिकी सरकार और अमेरिकी लोगों की ओर से मैं भारत के लोगों को उनके स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं। भारत ने जब 73 साल पहले स्वतंत्रता प्राप्त की थी, तब से अमेरिका और भारत के बीच मित्रता और साझी लोकतांत्रिक परम्पराओं के कारण निकट संबंध हैं। इसके अलावा शीर्ष अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों ने भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीयों को शुभकामनाएं दीं और देशभर में भारतीय-अमेरिकियों ने ब्रितानी औपनिवेशिक काल से आजादी की वर्षगांठ कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए अलग-अलग तरीकों से मनाई। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के शीर्ष नेताओं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड जे ट्रंप जूनियर, राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए।

मैं उपराष्ट्रपति पद के लिए दक्षिण एशियाई मूल की पहली उम्मीदवार के तौर पर आपके सामने खड़ी हूं: हैरिस

वाशिंगटन। सीनेटर कमला हैरिस ने अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के तौर पर पहली बार भारतीय-अमेरिकी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी भारतीय विरासत पर गर्व है। हैरिस ने 'इंडियंस फॉर बाइडेन नेशनल काउंसिल' द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा, ''आज 15 अगस्त, 2020 के दिन मैं दक्षिण एशियाई मूल की पहली अमेरिकी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर खड़ी हूं।'' उन्होंने कहा, ''भारत के लोगों और अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी लोगों को मैं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देती हूं। पूरे भारत में पुरुषों एवं महिलाओं ने 15 अगस्त, 1947 के दिन देश की आजादी की घोषणा का जश्न मनाया था।'' हैरिस का जन्म कैलिफोर्निया के ओकलैंड में 20 अक्टूबर 1964 को हुआ था। उनकी मां श्यामला गोपालन भारत के तमिलनाडु से अमेरिका आई थीं, जबकि उनके पिता डोनाल्ड जे हैरिस जमैका से अमेरिका आए थे। हैरिस ने कहा, ''मेरी मां श्यामला 19 साल की आयु में जब कैलिफोर्निया में विमान से उतरी थीं, तो उनके पास बहुत कुछ नहीं था, लेकिन उनके माता-पिता- मेरी दादी राजन और मेरे दादा पी वी गोपालन- से मिली सीख उनके साथ थीं। उन्होंने उन्हें सिखाया कि जब आप दुनिया में अन्याय देखते हैं, तो इसे दूर करने के लिए कुछ करना आपका दायित्व होता है।'' हैरिस ने कहा, ''इसी ने मेरी मां को उस समय ओकलैंड की गलियों में प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया, जब असैन्य अधिकार आंदोलन चरम पर था।

चीन को झटकाः ताइवान ने अमेरिका से 66 नए फाइटर जेट खरीदने की डील पर किए हस्ताक्षर

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन के साथ बढ़ते तनाव के चलते ताइवान ने 66 लड़ाकू विमानों के खरीदने के लिए एक अमेरिकी कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। माना जा रहा है कि इस डील के होने से चीन की टेंशन बढ़ सकती है। ये विमान तीन दशक पहले खरीदे गए लड़ाकू विमानों से ज्यादा ताकतवर हैं। ताइवान के पास पुराने 150 एफ-16 लड़ाकू विमान हैं। जिसे उस वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने मंजूरी दी थी। अब ताइवान को नई तकनीक के साथ ये लड़ाकू विमान मिलेंगे। हालांकि चीन इस सौदे को अस्वीकार कर विरोध जता सकता है, क्योंकि चीन हमेशा से ताइवान को अपना हिस्सा बताता रहा है। इसे लेकर वह पहले भी ताइवान को हथियार दिए जाने वाली डील का विरोध करता रहा है। इस नई डीस से जुड़ी योजना की घोषणा शुक्रवार को की गई, जिसे पहली बार 2019 में मंजूरी दिया जाना था। अब यह सौदा 2026 के अंत तक पूरा हो जाएगा। घोषणा के तहत ताइवान को 90 जेट बेचे जाएंगे, जिस पर मुहर लग चुकी है। ताइवान चीन के साथ तनाव को देखते हुए लगातार अपनी ताकत बढ़ा रहा है। बता दें कि पिछले साल, चीनी विदेश मंत्रालय ने वाशिंगटन से ताइवान को लड़ाकू विमान नहीं बेचने साथ ही भविष्य में ताइवान के साथ हथियारों की बिक्री रोकने का आग्रह भी किया था। बीजिंग ने वाशिंगटन को संभावित कार्रवाई की धमकी भी दी थी। चीन लगातार ताइवान को आंख दिखाता रहा है।

पिछले दिनों चीन ने अपने फाइटर जेट ताइवान की सीमा की तरफ भेजे थे, लेकिन ताइवान की मिसाइलों को देखने के बाद सभी चीनी लड़ाकू विमान भाग खड़े हुए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आओ मिलकर करें संकल्प, अपनाएंगे बचाव के सारे विकल्प

इस स्वतंत्रता दिवस पर कोरोना से आजादी दिलाने का ले संकल्प

रायबरेली(संदीप मौर्य)स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित मीना राजू मंच की सुगमकर्ता टीम द्वारा लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत जनपद वासियों से एक संकल्प लेने का संदेश चार्ट पोस्टर के माध्यम से दिया गया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश शर्मा के दिशा निर्देशन एवं बालिका शिक्षा रिसोर्स पर्सन शिक्षक एस.एस पाण्डेय के संयोजन एवं नियोजन तथा सहयोग से आम जनमानस के बीच कोरोना महामारी से बचने के लिए सतर्क रहें सजग रहें घर पर रहे सुरक्षित रहें का संदेश देकर कोरोना महामारी से बचाने का अभियान चलाया जा रहा है ।

जागरूकता टीम में विकास खंड राही से रेनू शुक्ला रीता सिंह कांति देवी वंदना श्रीवास्तव डलमऊ से मंगल कुमारी ममता यादव शकुंतला रजक कविता वर्मा ज्योति तिवारी रजनी आयुषी सारिका श्रीवास्तव रितु यादव महाराजगंज से प्रियंका पांडे शिल्पी गुप्ता राधा रानी हरचंदपुर से गरिमा गुप्ता ऊंचाहार से श्वेता शर्मा प्रतिज्ञा गौरा से मंजू लता छतोह से शालिनी सिंह अमावा से राखी वर्मा गरिमा सिंह खीरो से बिंदेश्वरी सलोन से प्रतिज्ञा मौर्य द्वारा आम जनमानस से एक संकल्प लेने का संदेश हम सब कोरोनावायरस से बचने का अपनाएंगे हर विकल्प स्वतंत्रता दिवस पर देश को कोरोनावायरस से आजादी दिलाने का संकल्प दिलाया गया।

अभियान के संयोजक एस.एस पाण्डेय ने बताया कि जनपद की सभी सुगमकर्ताओ ने ठान लिया है की जब तक जनपद से कोरोना का अंत नहीं हो जाता तब तक हम सब मिलकर जनपद वासियों को जागरूकता अभियान के माध्यम से जागरूक करते रहेंगे।

अच्छी सेवा देने के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा

कानपुर पुलिस विभाग में अच्छी सेवा देने के लिए गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया उत्कृष्ट सेवा पदक और अति उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए अधिकारियों को चयनितं।

2181 अधिकारियों को गृह मंत्रालय की तरफ से किया गया । चयनित उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए 649 को एवं 1532 अति उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए अधिकारियों का चयन किया गया हैं। जिसमें नौबस्ता इंस्पेक्टर कुंज बिहारी मिश्रा का नाम अति उत्कृष्ट पदक में है शामिल

सार–समाचार

कानपुर–नगर आयुक्त शिविर कार्यालय,अमर जवान चौक, अशोक नगर, कारगिल पार्क मोतीझील नगर निगम कार्यालय, जोन 5, पनकी, ओद्योगिक क्षेत्र, अम्बेडकर पार्क में मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण 39000 पौधों का रोपण किया गया नगर आयुक्त अक्षय त्रिपाठी महापौर प्रमिला पांडे रही मौजूद

दरोगा ने महिला से किया अभद्रता

कानपुर पनकी थाना क्षेत्र के पनकी पावर हाउस के पीछे मिर्जापुर में कानपुर देहात में तैनात दरोगा श्यामवीर सिंह यादव ने महिला से की अभद्रता महिला सब्जी लेकर वापस घर आ रही थी कि नशे की हालत में श्यामवीर ने गाली गलौज कर दी देख लेने की धमकी महिला द्वारा अपनी जान बचाकर भागने का प्रयास किया गया मोहल्ले के लोगों की भीड़ इकट्ठा होने पर नशेबाज दरोगा को लोगों ने किया बेइज्जत और कहां पुनः नशे की हालत में ऐसी गलती न करने की दी नसीहत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जहां महिला के संबंधित मामलों को तत्परता से कार्रवाई कर न्याय दिलाने का आदेश जारी है वही कानपुर नगर के थाना क्षेत्र पनकी रतनपुर चौकी अंतर्गत रहने वाला दरोगा जो कानपुर देहात के अकबरपुर में तैनात है महिला के साथ गाली गलौज कर छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया है जिसे महिला द्वारा मुख्यमंत्री द्वारा जारी हेल्पलाइन 1076 वह 1090 एवं 112 पर मांगी गई सुरक्षा परंतु कहीं पर भी संपर्क नहो सका नशे की हालत में दरोगा द्वारा की गई बेइज्जती से महिला सदमे में पुलिस के द्वारा की गई ऐसी हरकत से मोहल्ले की महिलाओं में असंतोष

अब मिलेगी नारकीय जीवन से मुक्ति

कानपुर यशोदा नगर स्थित क्षेत्रीय सभासद श्री दुर्गा प्रसाद गुप्ता के साथ आए एम एल सी अरुण पाठक ने राजीव नगर वार्ड 63 की गली के शिलालेख का विधि विधान अनावरण किया।हम बात कर रहे हैं वार्ड 63 के मो0सलीम हाशमी के मकान से मनोज कान्वेंट स्कूल के सामने तक इंटरलाकिंग सड़क के निर्माण का। वर्षों से इस मोहल्ले के लोग कीचड़ और गढ्ढे युक्त गली से त्रस्त थे।सड़क की सोगात क्षेत्रीय पार्षद दुर्गा प्रसाद गुप्ता के अथक प्रयास से क्षेत्रीय विधायक और कैबिनेट मंत्री श्री सतीश महाना और सांसद देवेन्द्र सिंह भोले की निधि से अब यह गली बनने जा रही है।

आधी सड़क बन भी चुकी है।अब सलीम हाशमी के मकान से मुन्ना गैस वाले के मकान तक

बननी है जिसका कार्य शीघ्र प्रारंभ होने वाला है।

एक भेंट में पार्षद श्री गुप्ता ने बताया कि बची गलियों का कार्य अगले बजट में प्रस्ताव भेज कर कराया जाएगा। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने पानी निकासी के लिए नाला बनवाने की मांग की।

सभासद ने आश्वासन दिया कि अगले बजट में इसका भी प्रस्ताव भेजा जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

शिवगढ़ (रायबरेली) क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों, ब्लॉक कार्यालय, सरकारी बिल्डिंगों,बैंकों, पंचायत घरों एवं मिनी सचिवालयों में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए स्वतंत्रता दिवस की 74 वीं वर्षगांठ मनाई गई। ब्लॉक कार्यालय में खण्ड विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह ने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ में सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर एलपी सोनकर ने, मिनी सचिवालय गूढ़ा में ग्राम प्रधान रामहेत रावत ने, न्यू पब्लिक एकाडमी इण्टर कालेज भवानीगढ़ में संस्थापक सतीश बाजपेई, प्रबंधक विकास बाजपेई ने, महात्मा टिकैत शिशु मन्दिर गूढ़ा में प्रबंधक भानु प्रकाश पटेल, प्रधानाचार्य अंगद राही ने , श्री बरखण्डी महाविद्यालय शिवगढ़, श्री बरखंडी विद्यापीठ इण्टर कॉलेज शिवगढ़ में प्रबंधक कुंवर हनुमंत प्रताप सिंह, श्री शिवकुमार त्रिवेदी कैरियर प्लस इण्टर कॉलेज शिवगढ़ में संस्थापक प्रदीप त्रिवेदी, जनता इण्टर कॉलेज गूढ़ा में प्रबंधक रामनरेश वर्मा, प्रधानाचार्य रमेश सिंह ने, सरस्वती शिशु मंदिर शिवगढ़ में प्रधानाचार्य शिशुपाल सिंह यादव ने, कृतिका ज्ञान विज्ञान स्कूल शिवगढ़ ने प्रबंधक वर्षा श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य राजेश श्रीवास्तव ने श्री गुरुदेव उमाशिव बालिका इण्टर कालेज खजुरों,शैल अवधेश पब्लिक स्कूल हाई स्कूल खजुरों में विद्यालय के प्रबंधक ने ध्वजारोहण कर भारत माता के वीर सपूतों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व मनाया। इसी के साथ ग्राम सभा बैंती, पिपरी,ढेकवा,दहिगवां, कुम्भी,ओसाह,शिवली सहित तेता. लिसों ग्राम पंचायत के पंचायत घरों में ग्राम प्रधानों द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, रोजगार सेवक एवं ग्रामीण मौजूद रहे। गूढ़ा प्रधान रामहेत रावत ने कहाकि

प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को हर्षोल्लास पूर्वक स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीयों के लिये यह दिन किसी त्योहार से कम नही होता क्यों की वर्षों की गुलामी के बाद ब्रिटिश शासन से, 15 अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिली थी।

हालाँकि अंग्रेजों से आजादी पाना भारत के लिये आसान नहीं था; लेकिन भारत माता के वीर सपूतों एवं स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे सच कर दिखाया।

अपना सुख,चैन सकून त्यागकर बगैर अपनी जान की चिंता किए उन्होंने अपनी भावी पीढ़ी को एक स्वतंत्र भारत देने के लिये, अपना जीवन बलिदान कर दिया।

चेयरमैन विजय कपूर द्वारा झंडारोहण

(शिव कुमार मिश्रा)

कानपुर इन्डस्ट्रियल डेवलपमेन्ट कोआपरेटिव इस्टेट लि. के प्रशासनिक भवन में स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर संस्था के चेयरमैन श्री विजय कपूर द्वारा झण्डारोहण किया गया।

इस अवसर पर कोआपरेटिव इस्टेट के चेयरमैन के साथ निदेशक शैलेन्द्र सेठी, हरीश इसरानी, दिनेश कुशवाहा, संदीप मल्होत्रा, उद्यमी श्याम लाल मूलचंदानी, नरेश पंज.ाबी, सचिव ए. एस. कोतवाल, एडीशनल सेक्रेट्री सतीश प्रकाश, दादा नगर व्यापार मण्डल अध्यक्ष सीता राम शुक्ला इत्यादि उपस्थित थे।

समारोह का संचालन सचिव श्री ए. एस. कोतवाल ने किया।

रिपोर्टःप्रकाश शुक्ला

उन्नाव जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष मदन मिश्रा द्वारा झंड रोहन किया गया बाद में देश के प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन अभियान बैंक के कर्मचारी द्वारा चलाया गया।

हिंदू वाहिनी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया। एवं जनता को स्वतंत्रता दिवस के विषय में संबोधन किया गया। और बताया गया कि हमारे राष्ट्र को स्वतंत्र कराने में किन–किन महापुरुषों का योगदान रहा। और उन्हें याद किया गया। तथा हर एक धर्म तथा वर्ग के लोगों को एक साथ मिलकर राष्ट्र को कैसे स्वतंत्र कराया गया। इसकी भी जानकारी दी गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिंदू युवा वाहिनी कानपुर विजय नारायण सिंह(विभाग प्रभारी कानपुर मंडल) रहे। साथ–साथ उनके सहयोगी गढ़ में तमाम लोगों में मुकेश सिंह (जिला प्रभारी) विशाल गुप्ता (संयोजक) यजुवेंद्र सिंह संयोजक (कानपुर मंडल) प्रवीण सिंह राठौर (अध्यक्ष कानपुर मंडल) गौरव गुप्ता (महामंत्री) अमित सिंह सेंगर (महामंत्री कानपुर मंडल) रविंद्र सिंह उपाध्यक्ष (कानपुर मंडल) अखिलेश सिंह उपाध्यक्ष (कानपुर मंडल) राम श्रीवास्तव मंत्री (कानपुर मंडल) रामकिशन मंत्री (कानपुर मंडल)एवं कार्यकारी सदस्य रोहित राजपूत, योगेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह गौतम, राजेंद्र श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, आदि लोग मौजूद रहे। एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए स्वतंत्र दिवस के पावन अवसर पर लोगों ने ध्वजारोहण किया। और भारतवासियों को शुभकामनाएं दी।

कानपुर 74वे स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर श्री मुकुंद संस्कृत पाठशाला पतारा में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में झंडारोहण प्रधनाचार्य आचार्य गौरव अवस्थी ने किया।

इस मौके पर कमल कान्त जी,विमल कान्त जी, हेत नारायण जी, रामचंद्र जी, प्रशांत मौर्य, एवम क्रांति समय अखबार के उत्तर प्रदेश हेड संजय मौर्य,सुधीर यादव आदि लोग मौजूद रहे।

कानपुर बिकरू काण्ड का इनामियाँ अभियुक्त राजेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 बलराम मिश्रा निवासी बिकरू को किया गया गिरफ्तार सीओ बिल्हौर संतोष सिंह के नेतृत्व में चौबेपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार जिस पर 50,000/–का इनाम घोषित है।

स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया

रायबरेली (संदीप मौर्य) वरिष्ठ समाजसेवी हाफिज फुजैल ने अली मियां कॉलोनी गेट नंबर 1 पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया और शहीदों को याद किया वही लोगों को कोरोना

वैश्विक महामारी के प्रति लोगो को जागरूक करते हुए कहा कि सभी लोग मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें क्योंकि कोरोना का प्रकोप लगातार भारत में बढ़ता जा रहा है।

जिसे देखते हुए हम सबको सावधानी बरतनी होगी वही लोगों को जागरूक करते हुए यह भी कहा कि बिना किसी काम के आप लोग घर के बाहर ना निकले बहुत ही जरूरी काम हो तभी घर के बाहर निकले जहा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सोसल डिस्टनसिंग का पालन करते हुए हाफिज फुजैल ने ध्वजारोहण किया वही आते जाते लोगो मे लड्डू का भी वितरण किया और और कहा कि यह महापर्व हम सबको बड़े ही धूम धाम के साथ मनाना चाहिए क्योंकि आज ही के दिन हमे आजादी मिली थी इस मौके पर असहाब खान मेराज असरफ जायसी अली नकवी दिलशाद अहमद अली मो. हम्मद आमिर सलमान खान आदि लोग उपस्थित रहे।

कानपुर– थाना शिवराजपुर अंतर्गत अशोक पब्लिक स्कूल के पास कंठिनीवादा गांव के जमुना का पुत्र मान सिंह की सड़क दुर्घटना में मृत्य, ट्रक के नीचे आने से हुई दुर्घटना साइकिल अब भी फसी ट्रक में हुई है

स्वतंत्रता दिवस समारोह स्वतंत्रता बचाओ–लोकतंत्र बचाओ दिवस

कानपुर महानगर कॉंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री के नेतृत्व में कॉंग्रेस जनों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह स्वतंत्रता बचाओ–लोकतंत्र बचाओ दिवसष के रूप में मनाया. इस अवसर पर नाना राव पार्क स्थित शहीद स्मारक पहुँचे कॉंग्रेस जनों ने महात्मा गांधी के भजनों के बीच उपवास रखा और स्वतंत्रता

की बलिवेदी पर चढ़े महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया.

अध्यक्ष हर प्रकाश अग्निहोत्री ने कोरोंना महामारी के कारण कॉंग्रेस का परम्परागत ऐतिहासिक जुलूस इसबार न निकल पाने पर दुख जताया और कहा कि 1947 से लगातार राष्ट्रीय महापर्व पर कॉंग्रेस मुख्यालय तिलक हाल से निकलने वाला कानपुर कॉंग्रेस का परंपरागत स्वतंत्रता दिवस जुलूस न निकाल पाने का उन्हें गहरा दुःख है.

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन से वार्ता और कोरोंना महामारी के चलते स्वतंत्रता के 73 वें वर्ष कार्यक्रम परिवर्तित किया गया है. श्री अग्निहोत्री ने कहा कि कॉंग्रेस पार्टी जिसके नेतृत्व में स्वतंत्रता का संग्राम लड़ा गया. जिसके नेताओं की अनंत कुर्बानियों के बाद देश को स्वतंत्रता हासिल हुई. आज उसी स्वतंत्रता को देश की गद्दी पर काबिज भाजपा सरकार बंधक बना रही है.

उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता व उसके लोकतंत्र को अगर किसी से खतरा है तो वह केंद्र की भाजपा सरकार से हैं. इसे लेकर हम चिंतित है और इसीलिए इसबार का अपना स्वतंत्रता दिवस शहीद स्मारक पर इकट्ठा होकर ष्स्वतंत्रता बचाओ –लोकतंत्र बच.ाओ दिवसष के रूप में मना रहे हैं.

इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री राजाराम पाल ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन्होंने देश की स्वतंत्रता का विरोध और अंग्रेजो का साथ दिया आज वही लोग सत्ता की कुर्सी पर काबिज हैं.

उपवास समाप्ति के बाद स्वतंत्रता की बलिवेदी पर चढ़े महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और राष्ट्रीय गान किया गया. इसके पूर्व प्रातः तिलक हाल में श्री हर प्रकाश अग्निहोत्री ने सेवादल की मौजूदगी में मुख्य ध्वजारोहण किया। प्रमुख रूप से शंकर दत्त मिश्र, पूर्व विधायक संजीव दरियावादी, इकबाल अहमद, अशोक धानविक, निजामुद्दीन खां, अनिल बाजपेयी भुल्लड, महेन्द्र त्रिपाठी पुत्तू, कमल जायसवाल, ग्रीन बाबु सोनकर,, गुलाब सिंह कोरी, संदीप शुक्ला, ममता तिवारी, कमल शुक्ला बेबी,आमोद त्रिपाठी, पुष्पा सैनी, सुनील राठौर, नौशाद आलम मंसूरी,सतीश दीक्षित, राजेश द्विवेदी, रविन्द्र शुक्ला मुन्ना, श्याम देव सिंह ईखलाख अहमद डेविड, सैमुअल लकी सिंह, सुबोध बाजपेयी, कनिष्क पांडे, राजेन्द्र सिंह टील्लू, डॉ आर के जगत, ज़फ़र शाकिर, रामनारायण जैस, मेवा लाल, रफत जमाल, प्रमोद गुप्ता, बृज भान राय, मानेष दीक्षित, मुन्ना खां, संदीप चौधरी, पुनीत राज शर्मा, आसिफ़ इकबाल, उपेन्द्र यादव आदि मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी के ऐलान के बाद सीमा सुरक्षा में बढ़ेगी एनसीस की भागीदारी, राजनाथ सिंह ने दी मंजूरी

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय कैडेट कोर के दायरे को 173 सीमावर्ती और तटीय जिलों तक बढ़ाने के प्रस्ताव को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंजूरी दे दी है, जिसके तहत एक लाख नए कैडेट की भर्ती की जाएगी। एक आधिकारिक वक्तव्य के माध्यम से रविवार को यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए गए संबोधन में को विस्तार देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि तटीय और सीमावर्ती जिलों तक एनसीसी का विस्तार किया जाएगा जिससे इन क्षेत्रों को आपदा से मुकाबला करने के लिए प्रशिक्षित नौजवान उपलब्ध होंगे और सशस्त्र सेनाओं में रोजगार के लिए युवाओं में आवश्यक कौशल का भी विकास होगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया कि सिंह ने बड़े स्तर पर विस्तार की योजना÷ के लिए ह्रष्ट्र के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। वक्तव्य में कहा गया कि तटीय और सीमावर्ती क्षेत्रों में एक हजार से अधिक स्कूलों और कॉलेजों को चिह्नित किया गया है जहां ह्रष्ट्र की शुरुआत की जाएगी। वक्तव्य के अनुसार 173 तटीय और सीमावर्ती जिलों से कुल एक लाख कैडेट एनसीसी में भर्ती किए जाएंगे जिनमें से एक तिहाई संख्या लड़कियों की होगी। मंत्रालय ने कहा कि विस्तार की योजना के तहत तटीय और सीमावर्ती क्षेत्रों में कैडेट को प्रशिक्षण देने के लिए एनसीसी की 83 इकाइयों (सेना की 53, नौसेना की 20, वायु सेना की 10) को अद्यतन किया जाएगा। वक्तव्य में कहा गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित की इकाइयों को प्रशासनिक सहायता देने का कार्य सेना करेगी। तटीय क्षेत्रों में यह कार्य नौसेना करेगी और वायु सेना स्टेशन के नजदीक स्थित की इकाइयों की सहायत करने का जिम्मा वायु सेना पर होगा। मंत्रालय ने कहा कि के विस्तार को राज्य सरकारों की सहायता से क्रियान्वित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

धनखड़ ने ममता सरकार पर लगाए राजभवन की जासूसी करने का आरोप, बोले- अब नहीं करेंगे बर्दाश्त

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने रविवार को आरोप लगाया कि राजभवन की निगरानी की जा रही है और इस कदम से संस्था की शुचिता कम हो रही है। विभिन्न मुद्दों को लेकर बीते एक वर्ष में राज्य की तृणमूल कांग्रेस की सरकार के साथ चल रही खींचतान के बीच धनखड़ ने यह दावा किया है। राज्यपाल ने प्रेस वार्ता में कहा कि राज्य में अराजकता का माहौल है। मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि राजभवन निगरानी में है। इससे राजभवन की शुचिता कम होती है। मैं इसकी पवित्रता की रक्षा के लिए सब कुछ करूंगा, जिन्होंने ऐसा किया उन्हें सजा मिलनी चाहिए। धनखड़ ने कहा कि सर्विलांस से जुड़ी एक लिस्ट राजभवन ने तैयार की है जिसे उनके परमिशन के बाद जारी किया जा सकता है। इस मामले में उन्होंने एक गंभीर जांच की शुरुआत कर दी है ताकि सच्चाई सामने आ सके। वहीं इससे पहले धनखड़ ने 74वें स्वतंत्रता दिवस पर राज भवन में आयोजित समारोह में भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके अधिकारियों के शामिल नहीं होने पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

टूट सकते हैं झुक नहीं सकते, पत्थरों में जान फूंक सकती है अटल जी की कविताएं

नेशनल डेस्क। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की आधारशिला माने जाने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी अपनी हाजिर जवाबी से हमेशा सुर्खियों में रहे हैं। उन्होंने न केवल एक बेहतरीन राजनेता बल्कि एक अच्छे कवि, पत्रकार और लेखक के रूप में नाम कमाया बल्कि एक शानदार वक्ता के रूप में भी लोगों का दिल जीता। अटल जी कई गंभीर और विचारोत्तेजक विषयों पर भी बड़ी सरलता और मजाकिया लहजे में अपनी प्रतिक्रिया देते रहे। देश में आपातकाल के दौरान 1975 में अटल जी और आडवाणी जी को कई अन्य राजनेताओं के साथ बंगलोर में गिरफ्तार किया गया था। जेल में रहने के दौरान ही अटल जी की पीठ में गंभीर समस्या पैदा हुई थी, जिसके बाद एम्स में उनकी पीठ का ऑपरेशन किया गया। अस्पताल के बिस्तर पर ही अटल जी ने अपनी एक नई कविता की रचना की जिसके शुरूआती शब्द थे- टूट सकते हैं मगर, हम झुक नहीं सकते। वहीं जब 1994 में कश्मीर पर पाकिस्तान का रवैया काफी आक्रामक था तो प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के संबंध में भारत का पक्ष रखने के लिए नेता प्रतिपक्ष अटल जी को भेजा। इस दौरान अटल जी ने कहा कि आपका कहना है कि कश्मीर के बैगर पाकिस्तान अधूरा है, तो हमारा मानना है कि पाकिस्तान के बगैर हिंदुस्तान अधूरा है, बोलिये, दुनिया में कौन पूरा है? पूरा तो केवल ब्रह्ममा जी ही हैं, बाकी सबके सब अधूरे हैं। आपको पूरा कश्मीर चाहिए, तो हमें पूरा पाकिस्तान चाहिए, बोलिये क्या मंजूर है?

लंदन में भारतीय स्वतंत्रता दिवस पर ब्रिटिश सांसद ने गाया देशभक्ति का गीत, पाक समर्थकों ने किया प्रदर्शन

लंदन। ब्रिटेन में भारत के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में ब्रिटिश-भारतीय सांसद ने देशभक्ति का गीत गाकर सब का दिल जीत लिया कार्यक्रम में कई सांसदों, हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों और समुदाय के प्रमुख नेताओं ने भारत और ब्रिटेन के बीच 'लिविंग ब्रिज' की सराहना की।इस दौरान कुछ पाकिस्तान प्रायोजित विरोधी तत्वों ने दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, वहां पुलिस का सख्त पहरा था। कार्यक्रम में भारत की राजदूत गायत्री कुमार, बोरिस जॉनसन सरकार में एशियाई मामलों के मंत्री तारिक अहमद ने संदेश दिया। इसे हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य स्वराज पॉल और करण बिलिमोरिया ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने दशकों से भारत की आजादी और उपलब्धियों की यात्रा को याद किया। उत्तर प्रदेश मूल के लेबर पार्टी से सांसद नवेंदु मिश्रा ने फिल्म स्वदेस का लोकप्रिय गाना ये जो देस है मेरा, स्वदेस है मेरा गाकर खूब वाहवाही लूटी। मिश्रा, दिसंबर 2019 में ग्रेटर मैनचेस्टर में स्टॉकपोर्ट से पहली बार सांसद बने हैं। इस ऑनलाईन उत्सव में हैंरो मेयर नितिन पारेख और लंदन के डिप्टी मेयर राजेंद्र अग्रवाल भी शामिल थे। उत्सव में लाइव, रिकॉर्डेड संदेश दिया, उनमें कंजर्वेटिव सांसद एंड्रयू मिशेल, फिक्की यूके की उषा पाराशर, उत्तरी आयरलैंड के डिप्टी फर्स्ट मिनिस्टर मिशेल ओ नील, उद्योगपति नट पुरी और वेस्ट मिडलैंड्स की मेयर एंडिस स्ट्रीट और भारतीय पत्रकार संघ से रूपंजना दत्ता शामिल हैं। पाकिस्तान प्रायोजित विरोधी तत्वों के दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन के खिलाफ लंदन पुलिस के इंतजामो को लेकर भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम उच्चायोग और उसके कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ब्रिटिश सरकार व पुलिस से मिले सहयोग की सराहना व शुक्रिया अदा करते हैं।

कोरोना रिस्क के चलते बच्चे पैदा करने में हिचक रहे भारतीय, कई बोले-वैक्सीन का इंतजार

नेशनल डेस्क। कोरोना संकट चे चलते भारतीय इस समय बच्चे पैदा करने से हिचक रहे हैं। दरअसल एक तो कोरोना की मार दूसरा डगमगाती अर्थव्यवस्था लोगों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। कई लोगों का कहना है कि जब कोरोना की वैक्सीन आ जाएगी तो बेबी प्लानिंग पर सोचेंगे, फिलहाल तब तक इंतजार करेंगे। वहीं जिन लोगों का पहला बच्चा है वो किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। वहीं ताजा रिसर्च भी बताती है कि स्वास्थ्य और वित्ततीय अस्थिरता का गर्भधारण जैसे फैसलों पर बड़ा असर होता है। ब्रुकिंग्सस के एक लेख के मुताबिक 1918 में जब स्पैनिश फ्लू आया था तब बर्थ रेट में 18त्न की गिरावट देखी गई थी। उसी के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अब भी वायरस के चलते अगले साल तीन से पांच लाख तक कम बच्सचे पैदा हो सकते हैं। दूसरी तरफ भारतीय अस्सपतालों के डेटा के अनुसार कई कपल्सस बच्चा पैदा करने के प्सलान को टाल रहे हैं। कई लोग तो प्री-कसेप्शन काउंसलिंग के लिए अस्सपताल आने तक से डर रहे हैं। मुंबई के लीलावती अस्सपताल के गायनकोलॉजिस्ट डॉ स्वर्णा गोयल के मुताबिक प्रेग्सनेंसी में 25त्न कमी आई है। जो लोग के जरिए इलाज करवा रहे थे उन्होंने भी कोर्स बीच में ही रोक दिया। वहीं प्रेग्सनेंसी घटने का एक कारण कम शादियां होना भी है। दरअसल कोरोना के चलते देश में लगे लॉकडाउन के कारण कई लोगों ने शादियों को टाल दिया।

रूस में कोरोना वैक्सीन का पहला बैच तैयार, भारत में इन्,हें मिलेगा सबसे पहले टीका

इंटरनेशनल डेस्क। रूस ने कोरोना वैक्सीन का उत्सपादन शुरू कर दिया है जिसके बाद पूरी दुनिया में इसे पाने के लिए कोशिशें तेज हो गई हैं । लेकिन रूस ने भारत के वैक्ससीन निर्माताओं की क्षमता को देखते हुए उनमें दिलचस्सपी दिखाई है। रूस चाहता है कि उसी कोरोना वैक्सीन का उत्पादन भारत में भी हो। रूसी डायरेक्टर इनवेस्टमेंट फंड के सीईओ किरिल दिमेत्रीव ने कहा है कि इस बारे में बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा है कि इस महीने के आखिर तक यह वैक्ससीन रोल-आउट कर दी जाएगी। को लेकर कई साइंटिस्सट्स का कहना है कि रूस ने तय प्रक्रिया की अनदेखी की है। रूस ने कोविड-19 वैक्ससीन का पहला बैच तैयार कर लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से इंटरफैक्स न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। ुछ वैज्ञानिकों को डर है कि वैक्ससीन को तेजी से अप्रूवल देकर मॉस्सको ने अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी है। प्रॉडक्शन में जाने वाली दुनिया की पहली वैक्ससीन है और रूस ने उसे इस महीने के आखिर तक उपलब्सध कराने की बात कही है। आमतौर पर हजारों लोगों पर ट्रायल के बाद टीके को अप्रूवल मिलता है मगर रूस ने पहले ही इसे हरी झंडी दे दी है। वैक्ससीन का नाम इसलिए रखा गया है क्सयोंकि सोवियत यूनियन ने दुनिया का पहला सैटेलाइट भी इसी नाम से अंतरिक्ष में भेजा था। राष्सट्रपति व्सलादिमीर पुतिन का दावा है कि वह वैक्ससीन पूरी तरह सेफ है और उनकी एक बेटी को भी टीका लगा है। रूस ने नाम से जो वैक्ससीन तैयार की है, उसका उत्सपादन भारत में भी हो सकता है। रशियन डायरेक्ट इनवेस्सटमेंट फंड के सीईओ किरिल दिमेत्रीव के मुताबिक, भारतीय फार्मास्सयूटिकल प्रोड्यूसर्स के साथ बातचीत चल रही है। ने वैक्ससीन की रिसर्च और प्रॉडक्शन को फंड किया है। मॉस्सको के गामलेया रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ एपिडेमियोलजी एंड माइक्रोबॉयलजी ने इसे डेवलप कसिया है। दिमेत्रीव ने कहा, भारत और रूस, कई सेक्सटर्स में ऐतिहासिक रूप से साझेदार रहे हैं। भारतीय कंपनियों के साथ 2012 से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि रूस ने पांच देशों में हर साल 500 मिलियन डोज तैयार करने का प्लान बनाया है। भारत के अलावा कोरिया और ब्राजील से भी बात हो रही है।

वैष्णो देवी यात्राः जय माता दी के जयकारों से गूंज उठा भवन, भक्तों में दिखा जबरदस्त उत्साह

नेशनल डेस्क। वैष्णो देवी के भक्तों के लिए आज का दिन बेहद खास है। महीनों के लंबे इंजतार के बाद वैष्णो देवी मंदिर के दरबार भक्तों के लिए खुल गए हैं। हालांकि इस बार यह यात्रा पहले जैसी नहीं होगी, कोरोना संकट के देखते हुए यात्रियों के लिए कई दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इस सब के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। मां के दर्शन के लिए निकले पहले जत्थे में खुशी और उत्साह देखते ही बनता था चारों तरफ जय माता दी के जयकारों से गूंज ही सुनाई दे रही थी। एक दर्शनार्थी ने बताया कि कोरोना के कारण यात्रा 5 महीने से बंद थी, जम्मू से हम लोग का पहला ग्रुप है जो माता के दर्शन करने आए हैं। यहां पर सैनिटाइज़र मशीन और थर्मल मशीन लगे हुए हैं। ऑनलाइन सिस्टम हैं तो वही लोग ही माता के दर्शन कर पाएंगे। वहीं यात्रा शुरू होने से वहां के दुकानदारों के चेहरों पर भी मुस्कान आ गई है। वहीं यात्रा शुरू होने से वहां के दुकानदारों के चेहरों पर भी मुस्कान आ गई है। 5 महीने से ठप पड़े कारोबार के फिर से पटरी पर आने की उम्मीद जाग गई है। बता दें कि 18 मार्च को कोरोना के कारण वैष्णो देवी माता की यात्रा को बंद कर दिया गया था। पांच महीनों बाद यात्रा को फिर से शुरू किया गया।

महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास पर ये बोले सेना के पूर्व अध्यक्ष जनरल वीके सिंह

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में भारत के दो बार के विश्व विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। महेंद्र सिंह धोनी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, अब तक आपके प्यार और सहयोग के लिए धन्यवाद। शाम 7 बजकर 29 मिनट से मुझे रिटायर्ड समझिए। महेंद्र सिंह धोनी के रिटायरमेंट पर केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने फेसबुक पोस्ट पर कहा कि बुलंदी पर पहुंचने से अधिक कठिन होता है बुलंदी पर टिके रहना। जब भारतीय क्रिकेट में वह विश्वास पनप रहा था कि वह विश्व विजेता बन सकता है तब धोनी ने टीम की बागडोर संभाली। एक अच्छा नेतृत्व वही होता है जो टीम की गति तो संभाले ही साथ ही भविष्य पर भी एक आंख गड़ा कर रखे। वीके सिंह ने अपनी पोस्ट में आगे कहा, धोनी ने यह उत्तरदायित्व तो अच्छे से निभाया ही, साथ में विश्व के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एक ऐसी भूमिका विश्व के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एक ऐसी भूमिका निभाई जिससे भारतीय टीम विश्व की सबसे संतुलित टीमों में से एक बनी। आज माही ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, मगर उनका प्रवेश भारतीय दिग्गजों के महकमे में हो रहा है जो एक बहुत ही विशिष्ट उपलब्धि है। धन्यवाद माही।

एशिया व द.अफ्रीका में आंतकी ठिकाने बनाने में व्यस्त पाकिस्तान,रोहिंग्याओं को आतंकी बनाने की दे रहा ट्रेनिंग

इस्लामाबाद। पूरी दुनिया में आतंकवाद की पनाहगाह के तौर पर जाने जाते पाकिस्तान की नापाक हरकत सामने आई है। पाक की खुफिया एजेंसी ह्वस्ढ्ढ अब अपने देश के बाहर भी आतंकवाद को पोषित करने में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एशिया महाद्वीप में बढ़ते कट्टरपंथी इस्लामिक आतंकवाद के बीच पाकिस्तान राजनयिक संबंध स्थापित करने और अफ्रीकी देशों में अपने राजनयिक मिशन स्थापित करने में व्यस्त है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान 2019 के बाद न सिर्फ अफ्रीकी महाद्वीप बल्कि एशिया में भी त्वरित गति से अपने राजनयिक संबंध और मिशन स्थापित करने के अलावा आंतकवादी ट्रेनिंग कैंपों को बढ़ावा दे रहा है जो भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। की रिपोर्ट के मुताबिक साउथ एशिया डेमोक्रेटिक फोरम के एनालिस्ट सिगफ्रीड ओ वुल्फ ने बताया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी अब दक्षिण अफ्रीका और म्यांमार में आतंकवादी समूहों को ट्रेनिंग दे रही है। पाक का मकसद इन देशों में भी सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर यहा के हालात में अस्थिरता पैदा करना है। जानकारों के मुताबिक अफ्रीका में अस्थिरता पूरे विश्व को प्रभावित करने वाली है और महाद्वीप में कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद का नया अध्याय शुरू हो सकता है।

जानकारी के अनुसार जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के जरिए 40 रोहिंग्याओं को ट्रेनिंग देने में जुटी है। 2016 में ढाका के एक कॉफी शॉप में हमला कर 22 लोगों की हत्या कर दी थी, इनमें ज्यादातर विदेशी थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान को किसी तीसरे देश के जरिए सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देना ज्यादा बेहतर लग रहा है। इससे यह फैक्ट और पक्का हो जाता है कि पाकिस्तान ही अफगानिस्तान और भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक भारत लंबे समय से अफ्रीकी देशों में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के शांति अभियानों में योगदान दे रहा है। इन अफ्रीकी क्षेत्रों में आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों की संख्या में वृद्धि के साथ अफ्रीका में आतंकवाद-रोधी निर्माण क्षमता में भारत की भूमिका और बढ़ेगी ।

गलवान घाटी में शहीद हुए कर्नल संतोष बाबू की पत्नी बनीं राजस्व विभाग की डिप्टी कलेक्टर

नेशनल डेस्क। लद्दाख में गलवान घाटी में भारत-चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प में शहीद हुए कर्नल संतोष बाबू की पत्नी ने तेलंगाना सरकार में राजस्व विभाग की डिप्टी कलेक्टर के तौर पर ज्वाइन कर लिया है। शहीद संतोष बाबू की पत्नी ने इसकी रिपोर्ट तेलंगाना सरकार को सौंप दी है। तेलंगाना सरकार ने शहीद कर्नल की पत्नी संतोषी को इस पद पर नियुक्त किया था और उन्होंने हैदराबाद के बीआरकेआर भवन में मुख्य सचिव सोमेश कुमार को रिपोर्ट सौंप दी। मुख्यमंत्री ने अपने सचिव स्मिता सभरवाल से कहा था कि वो संतोषी की मदद तब तक करें जबतक उन्हें अपने काम की पूरी जानकारी नहीं मिल जाती। बता दें कि 15 जून को गलवान घाटी में हुई घटना के बाद 22 जून को मुख्यमंत्री राव ने शहीद संतोष बाबू के परिजनों से सूर्यपेट शहर जाकर भेंट की थी और साथ ही शहीद के परिजनों को पांच करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि भी दी थी। इस दौरान उन्होंने शहीद की पत्नी को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में 711 स्क्वायर गज जमीन के कागजात और नौकरी से संबंधित दस्तावेज सौंपे थे। गलवान में भारत-चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प में 20 जवान शहीद हो गए थे। 39 वर्षीय कर्नल संतोष बाबू भी इनमें से एक थे।

शहीद कर्नल संतोष बाबू ने बड़ी बहादुरी के साथ चीनी सैनिकों का सामना किया था। वे अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, नौ साल की बेटी और चार साल का बेटा छोड़ गए हैं। लद्दाख में अब भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

प्रणब मुखर्जी की सेहत में कोई सुधार नहीं, डॉक्टर बोले-वे कई बीमारियों से ग्रसित

नेशनल डेस्क। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। प्रणब मुखर्जी की सेहत पर आर्मी अस्पताल ने हेल्थ अपडेट जारी किया है। सेना के रिसर्च व रेफरल अस्पताल ने कहा कि प्रणब की हालत में कोई सुधार नहीं आया है और उनको आईसीयू में वेंटिलेटर पर ही रखा गया है। हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक ह्रदय गति, सांस की गति सहित अन्य क्लीनिकल पैरामीटर स्थिर हैं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी देखभाल कर रही है। वहीं डॉक्टरों के मुताबिक मुखर्जी कई बीमारियों से ग्रसित हैं। बता दें कि प्रणब की सर्जरी से पहले उनकी कोरोना वायरस की जांच कराई गई थी, जो कि पॉजिटिव आई थी। इसकी जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट करके दी थी। मुखर्जी (84) को 10 अगस्त को सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी ब्रेन की सर्जरी की गई थी। प्रणब मुखर्जी 2012 से 2017 तक भारत के 13वें राष्ट्रपति रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर सोनिया ने साधा मोदी सरकार पर निशाना, कहा- बोलने, लिखने की आजादी नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। सोनिया गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए परीक्षा की घड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। सरकार संविधान मूल्यों के खिलाफ है। क्या देश में बोलने, लिखने की आजादी है। क्या हमें विचार से सहमत, असहमत होने की आजादी है। इससे पूर्व सोनिया गांधी ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सोनिया ने स्वतंत्रता दिवस पर जारी शुभकामना संदेश में कहा, 'सभी को 74वें स्वाधीनता दिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएं। भारतवर्ष की ख्याति विश्व भर में न सिर्फ प्रजातांत्रिक मूल्यों और विभिन्न भाषा, धर्म, संप्रदाय के बहुलतावाद की वजह से है, अपितु भारत प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना एकजुटता के साथ करने के लिए भी जाना जाता है।' उन्होंने कहा, 'आज जब समूचा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है, तब भारत को एकजुट होकर इस महामारी को परास्त करने के प्रतिमान स्थापित करने होंगे और मैं पूरे आत्मविश्वास से कह सकती हूं कि हम सब मिलकर इस महामारी व गंभीर आर्थिक संकट की दशा से बाहर आ जाएंगे।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमने आजादी के बाद अपने प्रजातांत्रिक मूल्यों को समय समय पर परीक्षा की कसौटी पर परखा है और उसे निरन्तर परिपक्व किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार प्रजातांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक मूल्यों व स्थापित परंपराओं के विपरीत खड़ी है। भारतीय लोकतंत्र के लिए भी ये परीक्षा की घड़ी है। सोनिया ने पूर्वी लद्दाख में कुछ सप्ताह पहले शहीद हुए जवानों को याद करते हुए कहा कि आज कर्नल संतोष बाबू समेत हमारे 20 जवानों की गलवां घाटी में वीरगति को भी 60 दिन बीत चुके हैं। मैं उनको भी याद कर उनकी वीरता को नमन करती हूं व सरकार से आग्रह करती हूं की उनकी वीरता का स्मरण करे व उचित सम्मान दें। उन्होंने कहा कि भारत मां की सरजमी की रक्षा व चीनी घुसपैठ को विफल करना इन शहीदों को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। सोनिया ने इस बात पर जोर दिया, आज हर देशवासी को अंतरात्मा में झांक कर यह सोचने की आवश्यकता है कि आजादी के क्या मायने हैं? क्या आज देश में लिखने, बोलने, सवाल पूछने, असहमत होने, विचार रखने, जवाबदेही मांगने की आजादी है? उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते ये हमारा उत्तरदायित्व है कि हम भारत की प्रजातांत्रिक स्वाधीनता को अक्षुण्ण बनाए रखने का हरसंभव प्रयत्न व संघर्ष करें।

राहत भरी खबर- देश में 18 लाख से ज्यादा लोगों ने जीती कोरोना से जंग, ठीक होकर लौटे घर

नेशनल डेस्क। देश में कोरोना संकट के बीच राहत की खबर है कि वायरस से निजात पाने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। भारत में 18 लाख लोगों ने वायरस को मात दी है। राहत की बात यह है कि एक दिन में 53,322 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 18,62,258 लाख पर पहुंच गई है। देश में कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति के बीच पिछले 24 घंटों में 944 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 50 हजार के करीब पहुंच गई वहीं संक्रमण के 63 हजार से अधिक मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 25.89 लाख के पार हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में संक्रमण के 63,489 मामले आने से संक्रमितों की संख्या 25,89,682 हो गई है, वहीं इस दौरान 944 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 49,980 पर पहुंच गई। राहत की बात यह है कि एक दिन में 53,322 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 18,62,258 लाख पर पहुंच गई है। इस दौरान देश में सक्रिय मामले 9224 बढ़े हैं जिससे इनकी संख्या 6,77,444 हो गयी है। देश में अब सक्रिय मामले 26.16 प्रतिशत, रोगमुक्त होने वालों की दर 71.91 प्रतिशत और मृतकों की दर 1.93 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 4,854 बढ़कर 1,56,719 हो गयी तथा 322 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 19,749 हो गया। इस दौरान 6,844 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,08,286 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 1,769 कम होने से सक्रिय मामले 88,138 रह गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखीमपुर गैंगरेप काण्ड को लेकर विपक्ष योगी सरकार पर हमलावर

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी में दलित बच्ची की गैंगरेप के बाद निर्मम हत्या को लेकर विपक्ष ने सूबे की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निषाना साधा है। विपक्ष दलों ने सूबे की कानून–व्यवस्था को ध्वस्त करार देते हुए राज्य में जंगलराज होने की बात कही है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए अपने फेसबुक पर लिखा कि बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में यूपी सबसे ऊपर है। पिछले कुछ दिनों में यूपी की कई जगहों से बच्चों के खिलाफ अपराध की ऐसी खबरें आईं हैं जो आपको हिला कर रख देंगी। यूपी की कानून व्यवस्था बच्चों, बेटियों व महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह असफल रही है। हैरानी की बात तो ये है कि यूपी पुलिस हर घटना के बाद लीपापोती में पहले लग जाती है।

वहीं, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा काल में बच्चियों व नारियों का उत्पीड़न चरम पर है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि 'उप्र के लखीमपुर खीरी में एक बेबस किशोरी से दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना है। भाजपा काल में उत्तर प्रदेश की बच्चियों व नारियों का उत्पीड़न चरम पर है। बलात्कार, अपहरण, अपराध व हत्याओं के मामले में भाजपा सरकार प्रश्नयकारी क्यों बन रही है?' उधर, बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों एवं प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी इस मामले पर ट्वीट करते हुए कहा कि 'उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में दलित नाबालिग के साथ बलात्कार के बाद उसकी नृशंस हत्या अति दुखद और शर्मनाक है। ऐसी घटनाओं से सपा और वर्तमान भाजपा सरकार में फिर क्या अंतर रह गया। सरकार दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे। बसपा की यही मांग है।'

विदित हो कि पकरिया गांव निवासी 13 वर्षिया की दलित बच्ची शुक्रवार को सुबह 11 बजे खेत जाने के लिए घर से निकली थी। देर तक जब रामावती वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। देर शाम परिजनों ने गांव के पास गन्ने के खेत में बच्ची का शव देखा। बच्ची की दोनों आंखें फोड़ दी गई थीं और उसकी जबान भी किसी नुकीले औजार से छेदी हुई थी। बच्ची का गला एक काले दुपट्टे से कसा हुआ था।

यूपी में कई जिलों के एसपी बदले

लखनऊ (एजेसी)। यूपी में तबादलों का दौर जारी है। प्रदेश सरकार ने रविवार को रायबरेली, श्रावस्ती, हरदोई व पीलीभीत के जिलाधिकारी सहित सात जिलों के पुलिस अधीक्षकों के तबादले कर दिए गए हैं। बता दें कि इसके पहले शनिवार की रात को लखनऊ के नगर आयुक्त इंद्रमणि त्रिपाठी और कानपुर देहात के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह सहित छह आईएएस व 11 पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया था। बता दें कि गोरखपुर, बागपत, मिर्जापुर, बदायूं, प्रतापगढ़, आजमगढ़ और बिजनौर के पुलिस कप्तानों का तबादला किया गया है।

किशोरी की बलात्कार के बाद हत्या

लखीमपुर खीरी (एजेसी) उप्र के लखीमपुर खीरी जिले के एक गांव में 13 साल की एक लड़की की बलात्कार के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई।

पुलिस उपाधीक्षक अभिषेक प्रताप ने रविवार को बताया कि ईसानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीय एक लड़की शुक्रवार को अपने खेत में गई थी।

घर वापस नहीं लौटने पर परिजन ने उसकी तलाश की। इसी दौरान एक गन्ने के खेत से लड़की का शव बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि शुरू में उस लड़की की दोनों आंखें फोड़े जाने और जबान काटने की खबर मिली थी लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ऐसा कुछ भी नहीं आया है। रिपोर्ट के मुताबिक लड़की की बलात्कार के बाद गला दबाकर हत्या की गई है।

लड़की के पिता की शिकायत पर पुलिस ने संजय और संतोष नामक युवकों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस के सामने ही फरारी कार से स्टंट करता रहा रईसजादा

वायरल वीडियो में फजीहत होने के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर(एजेसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पुलिस के सामने ही रईसजादों ने फरारी कार से जमकर स्टंट बाजी की।

इस दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद रईसजादे को गिरफ्तार कर लिया गया। वायरल वीडियो के मुताबिक नवाबगंज थ. ाना क्षेत्र के गंगा बैराज क्षेत्र में पुलिस के सामने लाल रंग की खुली लग्जरी कार के सवारों ने कई राउंड स्टंट करते हुए गोल चक्कर लगाए। कार सवार खुलेआम स्टंट पुलिस के सामने से आराम से निकल गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

यूपी में चरम पर लड़कियों व महिलाओं का उत्पीडन, यह दुःखद स्थिति : अखिलेश

लखनऊ (एजेसी)। लखीमपुर खीरी में दलित छात्रा के साथ गैंगरेप और हत्या के मामले में पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा राज में बच्चियों और महिलाओं का उत्पीड़न चरम पर है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, उप्र के लखीमपुर खीरी में एक बेबस किशोरी से दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना है। भाजपा के शासनकाल में उप्र की बच्चियों व नारियों का उत्पीड़न चरम पर है। योगी आदित्यनाथ सरकार पर उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार रेप, किडनैपिंग जैसे मामलों में प्रश्रयकारी बन रही है। उन्होंने सवाल किया कि बलात्कार, अपहरण, अपराध व हत्याओं के मामले में भाजपा सरकार अपराधियों को क्यों प्रश्रय दे रही है? उप्र के लखीमपुर खीरी में एक बेबस किशोरी से दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना है। भाजपाकाल में उप्र की बच्चियों व नारियों का उत्पीड़न चरम पर है।

उल्लेखनीय है कि लखीमपुर खीरी में शौच करने गई एक छात्रा से बदमाशों ने गैंगरेप किया और उसकी हत्या कर दी। लखीमपुर एसपी ने बताया पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में बसपा अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार और पूर्व की अखिलेश सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने कहा कि दलित नाबा. लिग के साथ बलात्कार और फिर उसकी हत्या अत्यन्त दुःखद और शर्मनाक घटना है। ऐसी घटनाओं से सपा व वर्तमान भाजपा सरकार में फिर क्या अन्तर रहा?

कानपुर–बिल्हौर तहसील भारी बारिश के चलते गरीब का उजड़ा आशियाना, लगातार हो रही बारिश से गरीब का गिरा घर गरीब ने प्रधान से अपना बताया दुख दर्द, लेकिन प्रधान नहीं पहुंचे गरीब के उजड़े आशियाने पर चौबेपुर थाना क्षेत्र के घनश्यामपुर गांव का मामला

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेटप्रागंण में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किया राष्ट्रीय ध्वजारोहण

सभी नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस के उपलब्ध में जिलाधिकारी ने दी बधाइयां

कानपुर–जिलाधिकारी डॉ0 ब्रह्मदेव राम तिवारी ने कलेक्ट्रेट प्रागंण में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया इस अवसर पर उन्होंने जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर बधाई देते हुये कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं देश की आजादी दिलाने में जिन वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी है उन शहीदों को नमन करते हुये श्रद्ध ांजलि अर्पित की उन्होंने कहा कि 1857 में देश को आजादी दिलाने के लिये स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं क्रान्तिकारियों के साथ ही कानपुर के ऐतिहासिक व गौरवशाली भूमिका रही है जिसमें नाना साहब व हजीमुल्ला तथा उनके साथियों ने आजादी दिलाने के लिये कमल और रोटी का वितरण कर लोगों में स्वतंत्रता दिलाने के लिये लोगों में जज्बा पैदा किया ।

कानपुर झंण्डा गीत के रचयिता श्यामलाल गुप्ता पार्षद सहित अन्य लोगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमण के समय में भी देश के लोगों में अपने राष्ट्र के प्रति आगाध प्रेम एवं राष्ट्रीय भावना है उन्होंने इस अवसर पर हाल में शहीद हुये 08 पुलिस कर्मियों सहित कोरोना काल में जिन लोगों की मृत्यु हो गयी है उनके प्रति दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी अर्पित की उन्होंने कहा कि स्वच्छता ईश्वर का दूसरा रुप है ।

प्रधानमंत्री के भारत को स्वच्छ रखने के अभियान गंदगी भारत छोड़ो की तर्ज पर कानपुर को स्वच्छ रखने के लिये ''गंदगी कानपुर छोड़ो'' अभियान में सभी जनपद वासियों से सहयोग करने की अपील की। उन्हा. ेने कहा कि कोविड संक्रमण से बचाव के लिये स्वच्छ एवं स्वस्थ रहना आवश्यक है इसलिये शरीरिक दूरी को बनाये रखने तथा संक्रमण से बचाव हेतु मास्क लगाये, अनावश्यक रुप घरों से बाहर न निकलें तथा कोविड के प्रोटो. कॉल का पालन करना सुनिश्चित करें

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वीरेन्द्र पाण्डेय सहित नगर मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता एवं अन्य अपर नगर मजिस्ट्रेट सहित कलेक्ट्रेट अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

स्वतंत्रता दिवस पर डीजीपी प्रसंशा चिन्ह से सम्मानित

मार्केट चौराहे पर झंडारोहण का आयोजन

शिव कुमार मिश्रा कानपुर बर्रा 2 स्थित यादव मार्केट चौराहे पर वार्ड 51 की पार्षद नीतू मिश्रा एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजीव मिश्रा द्वारा 74 वा झंडारोहण किया गया झंडारोहण में करोना वायरस के चलते सभी नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन संपन्न किया गया इसके उपरांत सभी उपस्थित सम्मानित नागरिक एवं क्षेत्रीय जनता मैं मिठाई वितरण की गई।

पुलिस ने मौके पर पहुँच कर गंगा से निकाला बाहर

सरकार की उपेक्षा से परेशान सीजनल अमीन संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने तिरंगा ओढ़ कर ले ली जल समाधी

कानपुर राजस्व संग्रह सीजनल अमीन कर्मचारी सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने आज भैरोघाट मे वीरेन्द्र कुमार ने भैरो घाट पर जल समाधी ले लिया है कोहना पुलिस ने मौके पर पहुँच कर वीरेन्द्र कुमार को गंगा जी से बाहर निकाला और

तिरंगा ओढ़ कर जल समाधी ले लिया।

पुलिस व प्रशासन के अधिकारी सरसैया घाट पर उनका इन्तजार करते रहे। जैसे ही पता चला की अपनी गाडी पर बैठा कर सरसैया घाट ले आयीं।

यहाँ पर जिलाधिकारी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ इन्तजार कर रहे थे।

जिलाधिकारी ने आज व कल अवकाश होने की वजह से 17 अगस्त को विनियमितिकरण, सम्पूर्ण समायोजन, नियमावली संशोधन, आयु सीमा शिथिलता के लिये शासन से बार्ता करने का आस्वाशन दिया और प्रतिनिधि मण्डल को बार्ता के लिये कार्यालय बुलाया है।

वीरेन्द्र कुमार मांग को लेकर लम्बे समय से आन्दोलन चला रहे है।

जल समाधी लेने से पहले एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा की मुख्यमंत्री ने चार बार मांगो को पुरा करने का आस्वाशन दिया द्य उसके बावजूद न तो सम्पूर्ण समायोजन हुआ, न ही विनियमितिकरण हुआ,और न ही नियमावली संशोधन व आयु सीमा शिथिलता हुई।

वीरेन्द्र कुमार ने कहा की पिछले डेढ वर्ष से शासन मे मामला लम्बित है द्य मुख्यमंत्री के आदेशो का पालन नही हो रहा है।

14 अगस्त को पुरे प्रदेश के सीजनल अमीनो व अनुसेवको ने अपने अपने जिलो में जल सत्याग्रह किया था।

आज के कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा संजय श्रीवास्तव, प्रवीण वाजपेयी, संजय अवस्थी, जगजीवन, राम चन्द्र शर्मा, सत्येन्द्र सिह आदि शामिल थे।

कानपुर प्रेस क्लब में जश्न आजादी का

कानपुर प्रेस क्लब में 74 वे स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण कर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया वही कानपुर प्रेस क्लब संरक्षक सरस बाजपेई ने बताया कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए सभी पत्रकार भाईयो एवं शहरवासियों को दो गज की

दूरी व मास्क का अवश्य उपयोग करे जिससे कि हमारे साथ साथ हमारे परिवार की रक्षा हो सके इसके साथ ही सभी पत्रकारो को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी वही कानपुर प्रेस क्लब के पधिकारियो और पत्रकार बंधुओ ने प्रेस क्लब के संरक्ष को सम्मानित किया ।

इस अवसर पर अध्यक्ष अवनीश दीक्षित और महामंत्री कुशाग्र पांडेय ने पत्रकारों को सम्मानित किया ।

इस इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुनील साहू कार्यकारिणी सदस्य दीपक सिंह , मो. इरफान सिद्दिकी ,चंदन जायसवाल,इब्ने हसन जैदी , अमन तिवारी , लालू चौहान , हनुमन्त सिंह पिन्टू पत्रकार रमन गुप्ता,अखलाक अहमद,अभिषेक मिश्रा,विपीन सिंह,स्वप्निल तिवारी, फुरकान खान,बब्लू जायसवाल, निखिल गुप्ता,आदि पत्रकार मौजूद रहे।

आर्य कन्या इंटर कॉलेज में झंडारोहण का आयोजन

कानपुर गोविंद नगर स्थित आर्य कन्या इंटर कालेज मे 74 में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक शिव कुमार आर्य द्वारा झंडारोहण किया गया प्रबंध समिति के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य श्रीमती चंद्रकांत गिरा ने किया कार्यक्रम के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों का का पूर्ण पालन किया गया इस पावन राष्ट्रीय पर्व पर श्रीमती रेखा से राधा पांडे संतोष अरोड़ा राजरानी नारंग सुभद्रा सहित सभी टीचर एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे झंडारोहण के उपरांत राष्ट्रीय गान वंदे मातरम गीत के साथ ध्वजा बंधन एवं वंदे मातरम गीत गीत गीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया